प्रयागराज, रविवार 05 अप्रैल 2026 से 11 अप्रैल 2026 तक
वर्ष-14, अंक-13
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

ईरान ने अमेरिकी जेट फाइटर गिराए, ट्रम्प बोले-बातचीत पर असर नहीं

हम जंग के बीच हैं; ईरान पर 24 घंटे में 200 हमले किए

वॉशिंगटन। ईरान ने शुक्रवार को अमेरिका के दो लड़ाकू विमान गिराए। इनमें एक एफ-35 फाइटर जेट और दूसरा ए-10 अटैक एयरक्राफ्ट बताया गया है। एफ-35 फाइटर जेट पर ईरान के अंदर हमला हुआ। इसमें सवार एक पायलट को रेस्क्यू कर लिया गया, जबकि दूसरा अभी लापता है। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया कि गिराया गया विमान एफ-35 नहीं बल्कि एफ-15E है। वहीं, ट्रम्प ने कहा है कि ईरान में अमेरिकी फाइटर जेट गिराए जाने की घटना से दोनों देशों के बीच बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ट्रम्प ने कहा, 'नहीं, बिल्कुल नहीं। हम युद्ध में हैं।' ट्रम्प ने यह बात एनसीबी से एक फोन इंटरव्यू में कहीं।

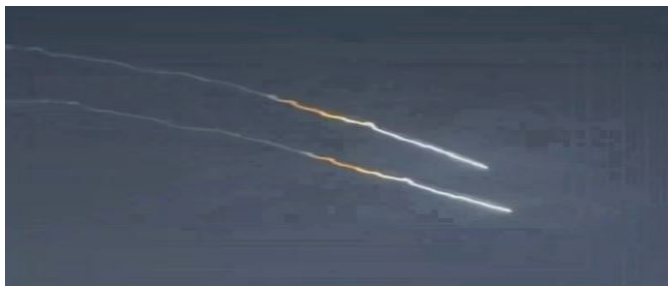

दूसरी ओर ईरान पर अमेरिका और इजराइल ने पिछले 24 घंटों में 200 से ज्यादा हमले किए हैं। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स इन ईरान के अनुसार, गुरुवार से शुक्रवार तक कुल 206 हमले किए गए, जिनमें एक आम नागरिक की मौत हुई। ये हमले ईरान के 13 प्रांतों में किए गए। ईरान ने अमेरिकी फाइटर जेट के पायलट को पकड़ने पर 10 बिलियन ईरानी तोमान (लगभग 55 लाख रुपए) के इनाम का ऐलान किया है। ईरान के सरकारी मीडिया आईआरआईबी के एक एंकर ने नागरिकों से अपील की है कि वे अमेरिकी पायलट को जिंदा पकड़कर सरकारी अधिकारी या सेना को सौंपे। इराक के बसरा शहर में स्थित तेल परिसर में ड्रोन हमले के बाद आग लग गई है। यह जानकारी बसरा ऑयल कंपनी के एक सूत्र ने दी है।

सूत्र वेः अनुसार, अल-बुर्जुसिया इलाके में कंपनी के कॉम्प्लेक्स पर एक ड्रोन गिरा, जिससे आग भड़क उठी। फिलहाल नुकसान या हताहतों को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।भारतीय झंडे वाला एक और जहाज ग्रीन सानवी होर्मुज से गुजरा। मरीन ट्रैफिक वेः मुताबिक यह जहाज फिलहाल ओमान गल्फ में है।

पृथ्वी की कक्षा छोड़ चांद की ओर निकले अंतरिक्ष यात्री,34 हजार किमी/घंटा की रफ्तार से बढ़ रहे

वॉशिंगटन। आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है। लॉन्च के एक दिन बाद शुक्रवार सुबह 5:19 बजे ओरियन कैप्सूल ने थ्रस्टर्स फायर किए और पृथ्वी की कक्षा छोड़ दी। अब यह अगले 4 दिन अंतरिक्ष में सफर करेगा और वहां पहुंचेगा, जहां आज तक केवल 24 इंसान पहुंच सके हैं। पृथ्वी के ऑर्बिट को छोड़कर चांद की तरफ जाने के लिए इंजन फायर करने की इस प्रोसेस को 'ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न' कहते हैं। यह करीब 6 मिनट का मैन्यूवर था, जिसने यान की रफ्तार बढ़ाकर 22,000 मील प्रति घंटा यानी करीब 34 हजार किमी/घंटा कर दी। आर्टेमिस-2 अब 'फ्री-रिटर्न ट्रेजैक्टरी' पर है। यानी यान अब न्यूटन के गति के पहले नियम- जो वस्तु चल रही है, वह चलती रहेगी के भरोसे आगे बढ़ रहा है। पूरे सफर के दौरान इंजन सिर्फ छोटे-मोटे सुधार के लिए ही फायर किए जाएंगे। यह हिस्सा बेहद संवेदनशील है। रास्ते

में जरा सी चूक यान को चांद से टकरा सकती है या उसे अनंत अंतरिक्ष में भटका सकती है। नासा बोला- अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह स्वस्थ-मिशन की स्थितिः आर्टेमिस डेवलपमेंट हेड डॉ. लोरी ग्लेज ने बताया कि अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह स्वस्थ हैं और स्पेसक्राफ्ट उम्मीद के मुताबिक बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। सीखने का मौकाः ग्लेज ने जोर दिया कि यह एक टेस्ट फ्लाइट है, इसलिए टीम स्पेसक्राफ्ट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही है। परिवार से बातचीतः अंतरिक्ष यात्रियों ने अभी तक अपने परिवार से सीधे बात नहीं की है, लेकिन नासा जल्द ही इसके लिए समय निकालेगा। अंतरिक्ष यात्रियों की जीरो ग्रेविटी से बातचीत-स्पेस प्लंबरः क्रिस्टीना कोच ने खुद को 'स्पेस प्लंबर' बताया है। वो ओरियन कैप्सूल के टॉयलेट में आ रही शुरुआती दिक्कतों को ठीक करने में व्यस्त रही हैं। सोने का अनुभवः कमांडर रीड वाइसमैन ने अंतरिक्ष में सोने को मजेदार बताया। उन्होंने मजाक में कहा कि क्रिस्टीना 'चमगादड़ की तरह लटककर' सोती हैं। अद्भुत नजाराःअंतरिक्ष से पूरी पृथ्वी को देखने के पल को वाइसमैन ने यादगार बताया। उन्होंने कहा कि उस शानदार नजारे को चारों अंतरिक्ष यात्री देखते रह गए।पांचवां दिनः चंद्रमा की ग्रेविटी में दाखिल होगा आर्टेमिस-2- 5 अप्रैल मिशन के पांचवें दिन तक धरती के गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव की वजह से कैप्सूल की रफ्तार धीमी हो जाएगी। जैसे ही यह चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में दाखिल होगा, इसकी गति फिर से बढ़ने लगेगी और यह चांद की ओर तेजी से बढ़ने लगेगा।

आईएनएस तारागिरी नेवी में शामिल हुआ,यह ब्रह्मोस और एयर डिफेंस सिस्टम से लैस

राजनाथ बोले- सेना की ताकत बढ़ेगी

नयी दिल्ली। आईएनएस तारागिरी शुक्रवार को विशाखापत्तनम में इंडियन नेवी में शामिल हुआ। डिफेंस

मिनिस्टर राजनाथ सिंह इस सेरेमनी में मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह रेस्क्यू ऑपरेशन हो या मानवीय सहायता देना हो। हमारी नेवी हमेशा सबसे आगे रहती है। आईएनएस तारागिरी की कमीशनिंग से हमारी नेवी की ताकत और बढ़ेगी। तारागिरी को मझगांव डॉक शिप बिल्डिंग लिमिटेड ने प्रोजेक्ट 17-ए के तहत तैयार किया है। वॉरशिप में ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, एमएफस्टार(रडार), मीडियम रेंज सर्फेस टु एयर मिसाइल एयर डिफेंस सिस्टम लगा हुआ है। इसके अलावा यह 76 मिमी गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी क्लोज-इन वेपन सिस्टम के साथ एंटी सबमरीन रॉकेट और टॉरपीडो से भी लैस है। वहीं भारत की स्वदेशी न्यूक्लियर सबमरीन 'अरिदमन' को भी नेवी में शामिल किया गया। भारत की नीलगिरी क्लास में कुल 7 स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। तारागिरी इस क्लास का चौथा युद्धपोत है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, प्रोजेक्ट 17-ए युद्धपोत को आगे आने वाली समुद्री चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। 'तारागिरी' उसी नाम के पुराने युद्धपोत का एडवांस्ड वर्जन है, जिसने 1980 से 2013 तक नौसेना में 33 सालों तक सेवा दी थी। नई 'तारागिरी' हाईटेक स्टेल्थ तकनीक, बेहतर मारक क्षमता, अत्याधुनिक ऑटोमेशन और मजबूत सर्वाइवेबिलिटी से लैस है। इस युद्धपोत को वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है। प्रोजेक्ट 17-ए के युद्धपोत में पिछली पी-17 (शिवालिक) क्लास की तुलना में अधिक आधुनिक हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए गए हैं। पिछले 11 महीनों में नौसेना को यह प्रोजेक्ट 17-ए का चौथा जहाज मिला है। पहले दो जहाजों के अनुभव के कारण 'तारागिरी' का निर्माण समय घटाकर 81 महीने कर दिया गया, जबकि शुरुआती जहाज 'नीलगिरि' में 93 महीने लगे थे। प्रोजेक्ट के बाकी तीन जहाज 2026 के अगस्त तक चरणबद्ध तरीके से नौसेना को सौंपे जाएंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना में 75 प्रतिशत स्वदेशी हिस्सेदारी है और इसमें 200 से अधिक एमएसएमई जुड़े हैं।

फ्लाइट में 60फीसदी सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोकःसरकार ने 15 दिन में फैसला बदला, कई एयरलाइंस ने आपत्ति जताई थी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60फीसदी सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60फीसदी सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था। मंत्रालय के अनुसार, इस मुद्दे की समीक्षा के दौरान फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस की ओर से आपत्तियां भेजी गईं। इनमें ऑपरेशनल असर, किराए पर प्रभाव और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ

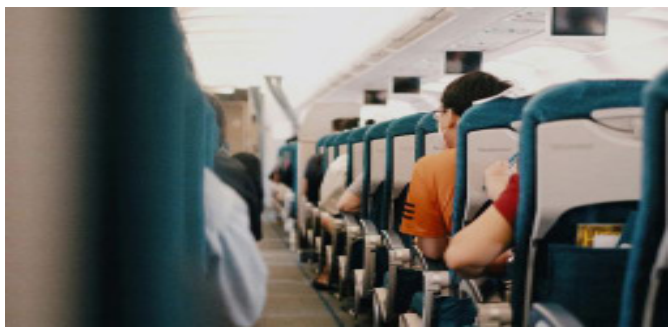

व्यवस्था से तालमेल जैसे मुद्दे उठाए गए। मंत्रालय ने कहा कि व्यापक जांच पूरी होने तक 60फीसदी सीटें मुफ्त देने का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा। मौजूदा नियमों में पैसेंजर्स के लिए 20फीसदी सीटें ही बिना एक्स्ट्रा चार्ज दिए बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए भुगतान करना पड़ता है। रिपोर्ट्स वेः मुताबिक अभी एयरलाइंस पंसद की सीटें चुनने पर 500 से 3000 रुपए तक एक्स्ट्रा चार्ज करती हैं। अक्सर देखा जाता है कि टिकट बुकिंग के बाद जब यात्री वेब चेक-इन करते हैं, तो उन्हें फ्री सीट के नाम पर केवल 20फीसदी ऑप्शन ही मिलते हैं। बाकी सीटों के लिए कंपनियां 'प्रेफर्ड सीट' के नाम पर भारी वसूली करती हैं। 60फीसदी सीटें ऐसी होनी चाहिए, जिन्हें यात्री बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के चुन सकें। हालांकि अभी यह लागू नहीं होगा। सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एविएशन मार्केट बन गया है। भारतीय एयरपोर्ट अब हर दिन 5 लाख से ज्यादा यात्रियों को संभाल रहे हैं। उड़ान योजना से भारत में हवाई यात्रा अब सिर्फ अमीर लोगों का अधिकार न रहकर, सभी के लिए सुलभ बन गई है। देश में हवाई यात्रा को और भी आसान बनाने के लिए लगातार कोशिशें जारी हैं, जैसे उड़ान यात्री कैफे, जहां किफायती खाना मिलता है, फ्लाईब्रेरी में किताबें मुफ्त पढ़ने मिलती हैं और टर्मिनल पर फ्री वाई-फाई।

ईरान की मिडिल ईस्ट में 8 ब्रिज उड़ाने की धमकी,इजराइल-अमेरिका ने कल रु3800 करोड़ का ईरानी पुल तबाह किया था

तेहरान। ईरान ने मिडिल ईस्ट के 8 बड़े पुलों की लिस्ट जारी कर उन्हें तबाह करने की धमकी दी है। ईरान इन पुलों को रणनीतिक तौर पर अहम मानता है, क्योंकि ये कई देशों की कनेक्टिविटी और ट्रांसपोर्ट के लिए बेहद जरूरी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की लिस्ट में कुवैत, यूएई, सऊदी अरब और जॉर्डन के कई महत्वपूर्ण पुल शामिल हैं। इनमें शेख जाबेर अल-अहमद समुद्री पुल (कुवैत), शेख जायद ब्रिज, अल मकता ब्रिज, शेख खलीफा ब्रिज (यूएई), किंग फहद कॉजवे (सऊदी अरब-बहरीन) और जॉर्डन के किंग हुसैन, डामिया और अबदून ब्रिज शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को अमेरिका और इजराइल ने ईरान के करज शहर में बी1 ब्रिज पर दो बार हमला किया था। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और पुल पूरी तरह तबाह हो गया। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता था। करीब 1050 मीटर लंबे और 136 मीटर ऊंचे इस पुल को बनाने में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब रु3,800 करोड़) खर्च हुए थे। ब्रिटेन की पहल पर होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए गुरुवार को एक ऑनलाइन बैठक हुई, जिसमें 60 से ज्यादा देशों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में भारत की तरफ से विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। बैठक में विक्रम मिसरी ने कहा कि होर्मुज संकट में अब तक सिर्फ भारत के ही नागरिक मारे गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक होर्मुज संकट में अब तक 3 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं, ये सभी विदेशी जहाजों पर काम कर रहे थे। ईरान की सेना ने कहा है कि उसने गुरुवार को जॉर्डन में मौजूद अमेरिका के एक बड़े एयरबेस पर ड्रोन हमला किया। इस एयरबेस का नाम अल-अजराक (मुवाफ्फाक सलती) है, जहां अमेरिकी लड़ाकू विमान तैनात रहते हैं। यह एयरबेस अमेरिका के लिए बहुत अहम माना जाता है, क्योंकि यहीं से फाइटर जेट उड़ान भरते हैं और निगरानी व ड्रोन मिशन चलाए जाते हैं। ईरान का कहना है कि वह इस हमले से अमेरिका की हवाई ताकत को कमजोर करना चाहता था।

राघव चड्ढा बोले- खामोश कराया, हारा नहीं हूं- 'आप' को चेतावनी- सैलाब बनकर आऊंगा

कल राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया था

चंडीगढ़। पंजाब से सांसद राघव चड्ढा आम आदमी पार्टी के राज्यसभा में उपनेता पद से हटाने और पार्टी कोटे से बोलने का टाइम न देने को लेकर शुक्रवार को पहली बार सामने आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर इस पर प्रतिक्रिया दी। राघव चड्ढा ने कहा- मुझे खामोश करवाया गया है लेकिन मैं हारा नहीं हूं। आम आदमी को ये मेरा संदेश है। राघव चड्ढा ने कहा कि मैंने पब्लिक के मुद्दे उठाए, इससे 'आप' को क्या नुकसान हुआ?। वीडियो के आखिर में उन्होंने 'आप' को चेतावनी दी कि आवाज खामोश कराने वालों के सामने मैं सैलाब बनकर आऊंगा। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी 'आप' ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया था। पंजाब से ही राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को उनकी जगह दे दी। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर जानकारी दी थी। लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है।हालांकि, राघव चड्ढा ने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और 'आप' को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। यहां तक कि 'आप' सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के वक्त वह यूके में थे। केजरीवाल के बरी होने पर भी उन्होंने एक शब्द नहीं कहा था।जिस मुद्दे को कोई नहीं उठाता, मैंने वह उठाएः राघव चड्?ढा के जारी वीडियो में वह पार्लियामेंट परिसर में खड़े होकर बोल रहे हैं। इसमें राघव चड्ढा ने कहा- मुझे जब-जब पार्लियामेंट में बोलने का मौका मिलता है, मैं जनता के मुद्दे उठाता हूं। शायद ऐसे टॉपिक्स उठाता हूं, जिसे आम तौर पर संसद में नहीं उठाया जाता। लेकिन क्या जनता के मुद्दे उठाना, पब्लिक इश्यूज पर बात करना कोई अपराध है। क्या मैंने कोई गुनाह कर दिया। क्या मैंने कुछ गलत किया। मेरे बोलने पर रोक क्यों लगाना चाहाः राघव चड्ढा ने कहा- ये सवाल आज मैं इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सेक्रेटेरिएट को ये कहा है, राघव चड्ढा के बोलने पर रोक लगा दी जाए।

अयोध्या में बुर्का पहनकर लूटने वाली महिला हिंदू निकली,4 महीने की गर्भवती हैं

खिलौना पिस्टल दिखाकर ज्वेलरी लूटी फिर बॉयफ्रेंड के साथ गिरफ्तार

अयोध्या। अयोध्या में ज्वेलरी शॉप में बुर्का पहनकर लूट करने वाली महिला हिंदू निकली। बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर उसने वारदात की थी। पुलिस ने गुरुवार देर रात दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। महिला का नाम पायल (25) और लड़के का नाम राहुल (27) है। वारदात के वक्त राहुल ज्वेलरी शॉप से कुछ दूर बाइक लेकर खड़ा था। पायल ने खिलौना पिस्टल यानी नकली पिस्टल दिखाकर दुकान से 3.6 लाख का सोने का हार और चेन लूट ली। फिर भागकर राहुल के पास पहुंची। उसके साथ बाइक से फरार हो गई। आरोपी पायल की पिछले साल 5 अप्रैल को शादी हुई थी। वह 4 महीने की गर्भवती है। पति के साथ पंजाब में रह रही थी। 16 अप्रैल को इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए अयोध्या में मायके आई थी। पायल के पिता राम नवल ने भास्कर को बताया कि गुरुवार को ताबीज बनवाने की बात कहकर घर से निकली थी। उसने बताया था कि उसकी तबीयत बार-बार खराब हो जाती है। उसने यह सब क्यों किया, नहीं पता। वारदात गुरुवार दोपहर 12.30 बजे हुई। ज्वेलरी की दुकान में लगे 6 सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी। घटना रुदौली कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कोठी बाजार की है। राम मंदिर से घटनास्थल की दूरी करीब 45 किमी है। शुरुआती जांच में पता चला कि राहुल ने बाजार से नकली पिस्टल और बुर्का खरीदा। पहचान छिपाने के लिए पायल ने बुर्का पहनकर वारदात की। जिस बाइक से दोनों फरार हुए थे, कैमरे में उसका नंबर कैद हो गया था। इसे ट्रेस कर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। एडीजे जोन लखनऊ प्रवीण कुमार ने बताया- 'दोनों अयोध्या से बाहर भागने की फिराक में थे। तभी गिरफ्तार कर लिया गया। बुर्का पहनकर लूट करने वाली महिला का नाम पायल है। उसके साथ राहुल नाम का लड़का था, दोनों बंटी और बबली बनकर घटना को अंजाम दे रहे थे। दोनों दोस्त हैं। खिलौने वाली पिस्टल दिखाकर लूट की गई थी।' रुदौली क्षेत्र के कोठी बाजार मोहल्ला के रहने वाले महेश सर्राफा व्यापारी हैं। उनकी घर से 900 मीटर दूर अग्रवाल कॉम्प्लेक्स में महेश ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। गुरुवार दोपहर को बुर्का पहने एक महिला पहुंची। उसके बाद एक पिट्ठू बैग था। दुकान में पहुंचकर उसने दुकानदार महेश से कहा- मुझे सोने का हार और चेन खरीदनी है। महेश ने उसके सामने एक सोने का हार और सोने की चेन रख दी। इसके बाद महिला ने महेश से पानी मांगा। महेश ने दुकान में काम करने वाले अंकित कुमार को पानी और समोसा लाने के लिए भेज दिया। कुछ देर बाद अंकित समोसा और पानी लेकर आ गया। मगर पायल ने समोसा खाने से मना कर दिया। पानी की बोतल ले ली। महेश ने महिला से समोसा खाने को कहा तो उसने कहा- मैं समोसा नहीं खाती हूं। मेरे लिए मिठाई मंगवा दीजिए। महेश ने अंकित को बर्फी लेने भेज दिया। वह बर्फी लेने चला गया। इस दौरान दुकान वेः कर्मचारी मनीराम ने हार और चेन को उठाकर काउंटर पर रख दिया। तभी महिला खड़ी हुई और दुकान के अंदर इधर-उधर घूमने लगी। महेश ने उससे पूछा- क्या बात है? महिला ने जवाब दिया- हमारे पति पैसा निकालने गए हैं। अभी आए नहीं है। उन्हें ही देख रही हूं। इसके बाद वह काउंटर के पास आकर खड़ी हो गई। महेश अन्य ज्वेलरी को अलमारी में रखने लगे, तभी पायल ने बॉक्स में रखा सोने का हार और चेन उठा ली। फिर अपना बैग उठाया। दुकानदार महेश ने उसे टोका तो उसने अपनी कमर से पिस्टल निकाल ली। महेश की ओर तानकर बोली- आगे बढ़े तो गोली मार दूंगी। इसके बाद वह दुकान के बाहर भाग गई। महेश और मनीराम ने शोर मचाते हुए उसका पीछा किया था। वह दुकान से निकलकर पैदल भागी और कुछ दूरी पर बाइक लेकर खड़े युवक के साथ फरार भाग गई। महेश ने बताया कि ज्वेलरी 26 ग्राम (22 कैरेट) की थी। 2 अप्रैल को बाजार भाव के हिसाब से कीमत करीब 3 लाख 60 हजार रुपए थी। महेश ने तुरंत पुलिस

ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को पद से हटाया, एपस्टीन फाइलें ठीक नहीं संभालने का आरोप

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश की अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को उनके पद से हटा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कि यह फैसला जेफ्री एपस्टीन केस से जुड़ी फाइलों को संभालने के तरीके को लेकर लिया गया। ट्रम्प प्रशासन को लगा कि एपस्टीन मामले की जांच और उससे जुड़े दस्तावेजों को ठीक से हैंडल नहीं किया गया। इसी वजह से ट्रम्प नाराज थे और उन्होंने सख्त कदम उठाते हुए बॉन्डी को पद से हटा दिया। जेफ्री एपस्टीन न्यूयॉर्क का करोड़पति फाइनेंसर था। उसकी बड़े नेताओं और सेलिब्रिटीज से दोस्ती थी। उस पर 2005 में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगा। 2008 में उसे नाबालिग से सेक्स की मांग करने का दोषी ठहराया गया। उसे 13 महीने की जेल हुई। 2019 में जेफ्री को सेक्स ट्रैफिकिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया। लेकिन मुकदमे से पहले ही उसने जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी पार्टनर गिस्लीन मैक्सवेल को 2021 में उसकी मदद करने के आरोपों में दोषी करार दिया गया। वह 20 साल की सजा काट रही है।

सीमा हैदर ने बेटे का नाम 'भारत' रखा-कुआं पूजन किया,बोलीं- हिंदू होने पर गर्व

नोएडा। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रखा है। गुरुवार को नोएडा के रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने जागरण कराया। इसके बाद कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजा के लिए निकलीं। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन किया गया। पूजा के बाद घर वापस आते वक्त सीमा ने मीडिया से बात की। सीमा हैदर ने कहा-'मेरे बेटे का नामकरण था। घर में जागरण भी कराया। हिंदू धर्म में जब घर में बेटा होता है तो नामकरण किया जाता है। बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं। बहुत खुशी का पल है। यह दूसरा कुआं पूजन है, इससे पहले जब मीरा हुई थी, तब कराया था। हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है।' सीमा हैदर ने कहा- 'मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है तो मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर कास्ट के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं।' दरअसल, गुरुवार को सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी। पंडित जी ने नाम निकाला तो 'भ' अक्षर से आया सीमा हैदर ने कहा- पंडित जी ने जब नाम निकाला तो 'भ' अक्षर से आया। हम लोगों ने बहुत देर तक सोच विचार किया। उसका बाद नाम 'भारत' रखा। भारत से सुंदर नाम कोई हो ही नहीं सकता है। पाकिस्तान से भारत आकर मैं बहुत खुश हूं।

यमुनेश्वर बाला जी धाम में हनुमान जन्मोत्सव धूम धाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सेक्टर 135 नगली बाजिदपुर के समीप स्थित सिद्धपीठ यमुनेश्वर बालाजी धाम में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मंदिर समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि यमुनेश्वर बालाजी महाराज के जन्मोत्सव पर अभिषेक कर उनकी पूजा अर्चना विद्वान ब्राम्हणों द्वारा विधि विधान से की गई। इस अवसर पर हवन यज्ञ किया गया। बालाजी धाम के महंत मुकेशानंद गिरी महाराज के सानिध्य में अखंड पाठ का आयोजन हुआ जिसका श्रीगणेश बुधवार को हुआ और बृहस्पतिवार को विराम हुआ। अखंड पाठ के बाद आरती और प्रसाद का वितरण हुआ। हनुमान जी महाराज का श्रृंगार कर उनको छप्पन भोग अर्पित किए गए। इस अवसर पर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा देर शाम तक अनवरत जारी रहा। इस अवसर पर महन्त मुकेशानंद गिरी महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी महाराज की आराधना जो भी भक्त करता है उसके लिए संसार में कुछ भी दुर्लभ नहीं है। हनुमान जी महाराज कलयुग के प्रत्यक्ष देवता हैं जिनकी भक्ति से अष्ट सिद्धि, नवनिधि के साथ आरोग्यता प्राप्त होती है। हनुमान जी की आराधना सभी कष्टों को दूर कर मनवांछित फल देने वाली है। इस मौके मनोज गोयल, बिजेंद्र चौहान, सुरेंद्र चौहान, सुशील पाल, सुशील कुमार, गुड्डू चौधरी, सुभाष शर्मा, उत्तम कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

15 दिवसीय हनुमत प्रभात फेरी विगत 26 वर्षों से निरंतर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। श्री हनुमान ध्वजा प्रभात फेरी समिति के तत्वाधान में आयोजित 15 दिवसीय हनुमत प्रभात फेरी विगत 26 वर्षों से निरंतर, श्रद्धेय कौशल पति शर्मा जी के सानिध्य में सफलतापूर्वक संचालित होती आ रही है। उनके मार्गदर्शन में, संस्थापक अध्यक्ष के रूप में यह आयोजन निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। इस पावन कार्यक्रम में समिति के सभी सम्मानित सदस्यों एवं विभिन्न संस्थाओं-ओम शिवा फाउंडेशन, माहेश्वरी समाज, मारवाड़ी समाज, , खत्री समाज, अग्रवाल समाज,राजस्थानी ब्राह्मण समाज एवं सभी संस्थाओं -का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने में संयोजक श्री यतींद्र कथूरिया (सनी भैया) का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 15 दिवसी कार्यक्रम के प्रचार प्रसार मंत्री श्री सुरेश कुमार तुलस्यान जी ने अपना दायित्व बखूबी बहुत ही सुंदर ढंग से निभाया है। सोशल मीडिया पर प्रचार के रूप में श्री मनीष जी गिनोदिया एवं श्री महेश जी चौधरी ने बखूबी निभाया। आज शोभायात्रा का संचालन श्री राजेश गट्टानी जी ने बखूबी निभाया, विशेष रूप से श्री कृष्ण कुमार काबरा जी, श्री रघुदेव अग्रवाल जी, तथा समिति के कोषाध्यक्ष श्री विश्वनाथ पोद्दार जी, श्री अशोक कोठारी जी, श्री रमेश गोयल जी, श्री विजय मोदी जी, श्री राजेंद्र अग्रवाल जी , श्री संतोष अग्रवाल जी श्री दीपक श्रीवास्तव जी , शिवा जी एवं चन्दन चटर्जी जी एवं अन्य सभी श्रद्धालु भक्तगण एवं समिति सदस्यों का अमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ। आज इस आयोजन के सफल संपन्न होने पर, जिन-जिन महानुभावों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त हुआ है, उन सभी के प्रति हम हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आगामी वर्षों में भी आप सभी का स्नेह, सहयोग एवं आशीर्वाद इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा।

बुद्ध विहार जवाही पटेहरा में सम्राट अशोक महान का जन्मोत्सव भव्य रूप से संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के पटेहरा स्थित बुद्ध विहार जवाही में बुधवार को सम्राट अशोक महान का जन्मोत्सव हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सम्राट अशोक की लोक कल्याणकारी नीतियों और उनके आदर्श शासन व्यवस्था को जन-जन तक पहुँचाना था। कार्यक्रम का आगाज भारतीय संविधान की प्रस्तावना के वाचन, दीप प्रज्वलन, त्रिशरण एवं पंचशील की परंपरा के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने तथागत बुद्ध एवं सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता मा. विकास शाक्य जी ने धम्न के महत्व पर जोर देते हुए कहा बुद्ध के शीलों को केवल सुनें नहीं, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। हमें अन्य धर्मों की आलोचना करने से बचना चाहिए, क्योंकि किसी की आलोचना करना स्वयं धम्म को कमजोर करने के समान है। मुख्य वक्ता जवाहर लाल मौर्य एवं संजय मौर्य ने सम्राट अशोक की कुशल शासन व्यवस्था और उनके द्वारा प्रतिपादित नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। रमेश गौतम (जिलाध्यक्ष, आप सोनभद्र) विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक का शासन आम आदमी की सहूलियत और कल्याण को ध्यान में रखकर चलाया जाता था । वक्ता अंशुमान मौर्य ने संबोधन में बताया कि बौद्ध धम्म अपनाने के बाद भी अशोक का वैचारिक सीमा विस्तार जारी रहा, यही कारण है कि आज विश्व के अधिकांश देशों में बौद्ध धर्म का प्रभाव है। समाजसेवी विशाल सिंह 'विपुल' अतिथियों एवं दर्जनों उपासकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किए साथ ही आगे भी सहयोग देने की बात की कार्यक्रम की अध्यक्षता रामप्रताप मौर्य ने की, जबकि संचालन घनश्याम मौर्य, स्वास्थ मौर्य एवं मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र मौर्य द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेंद्र मौर्य (प्रधान पटेहरा लालबत मौर्य और सुरेश मौर्य समिति संरक्षक), अजीत कांत निराला (जिलाध्यक्ष, सम्राट अशोक क्लब भारत), रामाज्ञा मौर्य (प्रधान भरुहा) सर्वजीत कुशवाहा (प्रबंधक), नेमचंद मौर्य, संदीप मौर्य, डॉ गुरु चरन मौर्य, डॉयरेक्टर न्यू उपकार हॉस्पिटल समेत क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया और सम्राट अशोक के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश के क्रम में प्रदेश के प्रत्येक किसान को लाभ दिलाने के लिए फार्मर रजिस्ट्री का व्यापक अभियान किया गया शुरू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने बताया है कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री को व्यापक स्तर पर लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश के क्रम में ग्राम पंचायत में विशेष शिविर आयोजित कर किसानों को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जाए, ताकि कोई भी पात्र किसान इस योजना से वंचित न रहे, जिलाधिकारी ने कहा है कि मा0 मुख्यमंत्री जी ने यह निर्देश दिये हैं कि राज्य सरकार फार्मर रजिस्ट्री को कृषि क्षेत्र में एकीकृत लाभ वितरण प्रणाली के रूप में विकसित कर रही है, उन्होने कहा कि जिससे किसान विभिन्न योजनाओं का लाभ एक ही पहचान वेऽ आधार पर सरल और व्यवस्थित तरीके से प्राप्त कर सकेऽ। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं में यदि लाभार्थियों के नाम या अभिलेखों में कोई त्रुटि अथवा असंगति है, तो उसे आधार से लिंक कर प्राथमिकता के आधार पर संशोधित किया जाए। इसके साथ ही प्रत्येक पात्र किसान को किसान पहचान पत्र बनवाना सुनिश्चित किया जाए। मा0 मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिये है कि कृषि विभाग अपनी सभी योजनाओं को फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ने के लिए आवश्यक तकनीकी व्यवस्था निर्धारित समय सीमा में तैयार करे और विभागीय पोर्टल को 01 मई 2026 तक पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाया जाए, साथ ही, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं लघु सिंचाई जैसे सहयोगी विभाग 31 मई 2026 तक आवश्यक तैयारियां पूरी कर कृषि विभाग के साथ समन्वय स्थापित करें, ताकि सभी विभागों में एक समान व्यवस्था लागू हो सके। जिन कृषक बन्धुओं का फार्मर रजिस्ट्री अप्रैल 2026 तक पूरा नहीं होगा, उन्हें किसान सम्मान निधि और अन्य कृषि संबंधी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा।

नैनी थाना में पूर्व सैनिक की पिटाई की आंच प्रयागराज जिला अधिकारी तक पहुंची

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। वेटरेनस इंडिया

प्रयागराज के साथ समस्त पूर्व सैनिक संगठनों ने आज एसीपी ऑफिस पहुंचकर 3 दिन बाद का समय सीमा समाप्त होने पर नैनी थाना प्रभारी का सस्पेंड का मामला जोर-शोर से उठाया तथा दो सब इंस्पेक्टर को एसीपी ऑफिस में तत्काल सस्पेंड करने का आश्वासन दिया तदुपरांत वेटरिनेंस इंडिया संगठन ने एप्लीकेशन की एक प्रति प्रयागराज जिला अधिकारी महोदय को सौंप कर मजिस्ट्रेट जांच की मांग की जिसे जिला अधिकारी महोदय ने तत्काल आदेश देकर पूर्व सैनिकों को भरोसा दिया की दूध का दूध और पानी का पानी अवश्य होगा इस प्रकार रिटर्न इंडिया संगठन पुलिस और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रशासन दोनों से उचित कार्रवाई की मांग कर रही है।इस मौके पर वेटरेनस इंडिया के माननीय संदीप सिंह अरुण सिंह प्रहलाद सिंह आरके सिंह शशिकांत राय हरि ओम नरसिंह वेद प्रकाश सुरेंद्र सिंह तथा सूबेदार बीएन प्रसाद के साथ अन्य उपस्थित थे।

गुमशुदा की तलाश

प्रियंका केशरवानी पत्नी सूरज केसरवानी निवासिनी मदरहा कोहड़ार थाना मेजा प्रयागराज उम्र करीब 25 वर्ष जो की दिनांक 09.12.2025 को कांशीराम कॉलोनी नैनी प्रयागराज से लापता है। इनको किसी नें देखा हो तो संपर्क करें बताने वाले कों उचित ईनाम व आने जाने का किराया दिया जायेगा।🙏
संपर्क सूत्र-89539 62365, 9305701387

कंप्यूटर शिक्षक प्रशिक्षण (CTT) कौशल के महत्व पर कॉमिक्स

नेंनी औधेगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

लखनऊ से कोलंबो रवाना हुई भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम, कप्तान आलोक शर्मा के नेतृत्व में खेले जाएंगे 3 टी20 मुकाबले

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के कप्तान आलोक शर्मा के नेतृत्व में टीम आज Chaudhary Charan Singh International Airport से Colombo के लिए रवाना हुई। टीम वेऽ साथ सचिव महेंद्र सिंह एवं संयुक्त सचिव संतोष गुप्ता भी मौजूद रहे। एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों को तिरंगे वेऽ साथ भावपूर्ण विदाई दी गई। लखनऊवासियों ने टीम का जोरदार स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की। खिलाड़ियों के उत्साह और जोश ने वहां मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लिया। यह दौरा दिव्यांग क्रिकेटरों के हौसले को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिभा को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। टीम 3, 4 और 5 अप्रैल को Colombo में तीन टी20 मुकाबले खेलेगी। कप्तान आलोक शर्मा ने प्रस्थान से पहले कहा कि पूरी टीम देश का नाम रोशन करने के लिए पूरी तरह तैयार है और सभी खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन करने वेऽ लिए उत्साहित हैं। वहीं सचिव महेंद्र सिंह ने बताया कि यह श्रृंखला दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच साबित होगी और भविष्य में ऐसे और अंतरराष्ट्रीय अवसर प्रदान किए जाएंगे। भारतीय टीम के इस दौरे से न केवल खेल को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि समाज में दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रति सम्मान और प्रेरणा भी बढ़ेगी।

जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग कराकर गेहूँ की उत्पादकता का किया आकलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गेहूँ की पैदावार की हकीकत देखने वेऽ लिए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने सदर तहसील क्षेत्र के सतांव ब्लॉक के पड़री गनेशपुर गांव में पहुंची। उनकी देखरेख में क्रॉप कटिंग कर उत्पादकता का आकलन किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल गेहूँ कटाई के 03 खेतों मे प्रयोग किए गए। एक निश्चित त्रिकोण क्षेत्र में फसल कटाई करके यह देखा गया कि कितनी उत्पादकता प्राप्त हो रही है। जिसके अंतर्गत तीन खेतों में क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें गाटा संख्या 294 में लगभग 26.150 किग्रा के हिसाब से 60 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। इसी प्रकार गाटा संख्या 162 में 09.160 किग्रा के हिसाब से 21 कुंतल/हेक्टेयर एवं गाटा संख्या 414 में 10.500 किग्रा के हिसाब से 24 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। बता दें कि क्रॉप कटिंग से फसल की पैदावार देखी जाती है इसमें रेंडम आधार पर खेतों को चुनकर फसल की उत्पादकता का आकलन किया जाता है। कम उत्पादकता होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत बीमा कंपनी किसानों को लाभ देती है, इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा करा लेना चाहिए। इस मौके पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक संत लाल, लेखपाल विकास कुमार उपस्थित रहें।

जनपद ने 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के निर्धारित लक्ष्य को किया पूर्ण,लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित कराने में बैंकों का रहा महत्वपूर्ण योगदानः परमहंस मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर के निर्देशन तथा मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता के पर्यवेक्षण में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत जनपद ने अपने निर्धारित लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के अन्तर्गत जनपद को आवंटित 2300 के लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस योजना में जनपद के प्रमुख बैंकों के सहयोग से 2300 के शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित कर ली गयी है। 2300 के लक्ष्य के सापेक्ष बैंकों द्वारा 2303 पत्रावलियों का वितरण किया गया है, जिसका कुल वितरण प्रतिशत 100.13 प्रतिशत रहा। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक एवं यूको बैंक द्वारा आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति की गयी है। जनपद की 100 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित कराने में उक्त बैंकों का महत्वपूर्ण योगदान है। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी महोदया के कुशल निर्देशन उनके द्वारा योजना के नियमित एवं प्रभावी अनुश्रवण व अग्रणी जिला प्रबंधक के विशेष सहयोग उनके द्वारा किये गये परिश्रम के कारण योजनान्तर्गत शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की गयी है। शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने वाले 24 जनपदों में जनपद रायबरेली भी सम्मिलित है।

सविता समाज भोपाल का मासिक पारिवारिक मिलन समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भोपाल। सविता समाज भोपाल द्वारा हर माह आयोजित होने वाला मासिक पारिवारिक मिलन समारोह माह पुनः संपन्न हुआ। इस आयोजन का शुभारंभ सविता समाज ग्रुप (ए) द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सभी समाज बंधुओं को इस माह का पारिवारिक मिलन का आयोजन हरिओम सेन द्वारा उनके निज निवास, आकाशवाणी कॉलोनी, भोपाल में किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे सामाजिक एकता और आपसी सौहार्द को बढ़ावा मिला। बैठक के दौरान सभी उपस्थित समाजबंधुओं ने सफल आयोजन एवं उत्तम व्यवस्थाओं वेऽ लिए हरिओम सेन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और सभी ने भविष्य में भी इसी प्रकार वेऽ सामाजिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने की बात कही।

साध्वी सुशीला अपने शरीर को जनमानस के हित के लिए सौंप कर अनंत यात्रा को चली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली/कानपुर, बारा देवी कानपुर निवासिनी श्रीमती सुशील पांडेय पत्नी स्वर्गीय रवि शंकर पांडेय यूं तो वह गृहस्थ जीवन व्यतीत कर रही थी, किंतु उनका जीवन एक साध्वी से कम नहीं था। उन्होंने स्वयं तो कोई पुत्र / पुत्री पैदा नहीं की किंतु परिवार और मोहल्ले के सभी बच्चों को वह अपना मातृत्व प्रदान करती थी। उन्होंने अपना सारा जीवन एक साध्वी की तरह व्यतीत किया। वह विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान जनमानस वेऽ लिए किया करती थी। वर्ष 2024 में उन्होंने लोकहित के लिए अपने शरीर को दान में देने का निर्णय किया था, उनकी मृत्यु के बाद उनके परिवारीजनों ने कानपुर मेडिकल कॉलेज को सूचित किया और डॉक्टरों की एक टीम परिवारजनों से उनकी देह को प्राप्त कर एम्स गोरखपुर को हस्तांतरित कर दिया। महर्षि दधीचि देहदान अभियान के प्रमुख मनोज सेंगर एवं माधुरी सेंगर ने बताया कि अब तक 320 लोगों द्वारा अपना शरीर इस अभियान के तहत दान किया गया है। 77 वर्षीय सुशीला पाण्डेय के पार्थिव शरीर सहित अब तक कुल 07 शरीर एम्स गोरखपुर को सौंपे गए हैं।

एम्स गोरखपुर के प्रभारी डॉ.विवेक मिश्र ने सम्मान सहित पार्थिव शरीर को प्राप्त किया। सुशीला पाण्डेय के इस प्रण पर चारों तरफ सराहना हो रही है तथा उन्हें युग दधीचि की उपाधि से संबोधित किया।

रोजगार योग्यता अंतर (Employability Gap) क्यों बढ़ रहा है? कॉलेज से नौकरी तक की असली चुनौती

लेखिकाः कौशाकी सोंधी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नॉएडा। प्रख्यात व्यक्तित्व विकास विशेषज्ञ, कॉर्पोरेट ट्रेनर एवं शिक्षा क्षेत्र की अनुभवी मार्गदर्शक कौशाकी सोंधी बताती हैं कि आज के युवाओं के सामने सबसे

बड़ी चुनौती केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि 'रोजगार योग्य' बनना है। वे ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ ह्यूमन राइट्स, लिबर्टीज एंड सोशल जस्टिस में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महिला सशक्तिकरण) के रूप में कार्यरत हैं। साथ ही वे वीमेन इंडिया काउंसिल ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डब्ल्यूआईसीसीआई) में सलाहकार, नीति आयोग के 'मेंटोर ऑफ चेंज' कार्यक्रम से जुड़ी मेंटर, तथा भारथ यूनिवर्सिटी, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, नारायण शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी अहमदाबाद सहित कई संस्थानों में बोर्ड ऑफ एडवाइजर एवं मेंटर की भूमिका निभा चुकी हैं। उन्होंने सिम्बायोसिस सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड इनोवेशन में मेंटर के रूप में कार्य किया है तथा अनेक विद्यालयों और सामाजिक संगठनों-जैसे ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल, एसीएम पब्लिक स्कूल सहारनपुर, सेफगार्डिंग चिल्ड्रेन सेवा समिति, कौशांबी फाउंडेशन और जैक्स फाउंडेशन-के साथ मिलकर छात्रों और युवाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने व्यावसायिक जीवन में उन्होंने होली पब्लिक स्कूल में प्रिंसिपल, मंगलमय इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा में असिस्टेंट प्रोफेसर एवं स्टूडेंट काउंसलर, आईआईएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, ग्रेटर नोएडा में हेड ट्रेनर तथा शारदा यूनिवर्सिटी में ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट विभाग की प्रमुख के रूप में कार्य करते हुए हजारों छात्रों को प्रशिक्षित किया है। उनके प्रशिक्षण का मुख्य फोकस संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, व्यक्तित्व विकास और करियर रेडीनेस रहा है। अपने इसी व्यापक अनुभव के आधार पर वे बताती हैं कि भारत में तेजी से बढ़ता 'रोजगार योग्यता अंतर (Employability Gap)' एक गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। आज के समय में भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है।

हर साल लाखों विद्यार्थी कॉलेजों से डिग्री लेकर निकलते हैं, लेकिन एक बड़ी सच्चाई यह है कि उनमें से बहुत से युवाओं को नौकरी नहीं मिल पाती। यह स्थिति केवल बेरोजगारी नहीं, बल्कि योग्यता और रोजगार के बीच की खाई को दर्शाती है। 'रोजगार योग्यता अंतर' का अर्थ है-छात्रों के पास डिग्री तो है, लेकिन वे उद्योगों की अपेक्षाओं के अनुसार तैयार नहीं हैं। आज कंपनियाँ केवल अकादमिक ज्ञान नहीं, बल्कि व्यवहारिक कौशल, संचार क्षमता, टीमवर्क, नेतृत्व क्षमता और समस्या-समाधान जैसी क्षमताएँ चाहती हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे अधिकांश शिक्षण संस्थान अभी भी पारंपरिक पढ़ाई तक सीमित हैं।हाल के वर्षों में यह देखने को मिला है कि बड़ी संख्या में छात्र लिखित परीक्षाओं में सफल होने के बावजूद इंटरव्यू और ग्रुप डिस्कशन में असफल हो जाते हैं। इसका मुख्य कारण है-आत्मविश्वास की कमी, प्रभावी संचार का अभाव और वास्तविक कार्य परिस्थितियों की समझ का न होना। डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन और नई तकनीकों के तेजी से बढ़ते प्रभाव ने इस अंतर को और गहरा कर दिया है। उद्योगों की अपेक्षाएँ लगातार बदल रही हैं, लेकिन शिक्षा प्रणाली उसी गति से स्वयं को अपडेट नहीं कर पा रही। यही कारण है कि डिग्रीधारी होने के बावजूद कई युवा रोजगार से वंचित रह जाते हैं। एक और महत्वपूर्ण कारण है-करियर मार्गदर्शन की कमी। बहुत से छात्र यह नहीं समझ पाते कि उन्हें किस दिशा में आगे बढ़ना है और उस क्षेत्र के लिए किन कौशलों की आवश्यकता है। परिणामस्वरूप, वे बिना स्पष्ट लक्ष्य के पढ़ाई करते हैं और अंत में संघर्ष का सामना करते हैं। कौशाकी सोंधी के अनुसार, इस समस्या का समाधान बहुआयामी होना चाहिए। छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर अपने कौशलों को विकसित करना होगा। इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स, वर्कशॉप्स और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना आज के समय की अनिवार्यता है।

शिक्षण संस्थानों को भी उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित कर अपने पाठ्यक्रम को व्यावहारिक और अद्यतन बनाना चाहिए। वहीं अभिभावकों को भी बच्चों के समग्र विकास पर ध्यान देना चाहिए, न कि केवल अंकों पर। अंततः, 'रोजगार योग्यता अंतर (Employability Gap)' एक चुनौती जरूर है, लेकिन इसे सही दिशा, मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से अवसर में बदला जा सकता है। जब शिक्षा, उद्योग और युवा-तीनों मिलकर कार्य करेंगे, तभी यह खाई कम होगी और हमारे युवा वास्तव में 'रोजगार योग्य' बन पाएंगे। क्योंकि आज के युग में केवल डिग्री नहीं, बल्कि कौशल, आत्मविश्वास और व्यवहारिक समझ ही सफलता की असली पहचान है।

स्मार्ट मीटर की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया तो होगा धरना प्रदर्शन - राघवेंद्र दुबे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 में स्मार्ट मीटर से लगातार होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए आरडब्ल्यूए द्वारा एक कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें स्मार्ट मीटर से संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लोगों की समस्याओं को सुनकर नोट किया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि स्मार्ट मीटर लोगों के लिए गले का फंदा बन गया है। फ्लैट नंबर 1/1 में तीन दिन से लाइट कटी हुई है उनके बच्चे छोटे छोटे हैं और बेहद परेशान हैं। 18/10, 4/4, 12/1 , 28/12 सहित तमाम ऐसे फ्लैट हैं जिसमें अमाउंट ज्यादा जमा होने के बाद भी लाइट नहीं जुड़ रही है। कुछ फ्लैट ऐसे भी जिनमें दो दो मीटर लगा दिए गए हैं। स्मार्ट मीटर लगाने वाली कंपनी ने घोर लापरवाही की है इसका कारण विद्युत विभाग द्वारा सही से मॉनिटरिंग ना करना है। मीटर की सीलिंग रिपोर्ट तक सभी को नहीं मिली और बिना सहमति के बिना जानकारी के लोगों के यहां जबरन स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। मेरा खुद का मीटर बिना मेरी सहमति के लगा। पहले मीटर लगाने से पहले मोबाइल पर पासवर्ड आता था इसके बाद ही मीटर लगता था लेकिन बाद में इन्होंने फर्जी मोबाइल नंबर डालकर उसी से पासवर्ड लेकर लोगों की बिना जानकारी स्मार्ट मीटर लगा दिए। फ्रॉड करने वाली कंपनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाए। कैंप में केवल समस्याओं को नोट किया गया लेकिन समाधान नहीं हो सका। जेई स्मार्ट मीटर नवीन कुमार के साथ अन्य कर्मचारी रहे लेकिन कोई आला अधिकारी नहीं आया। सक्षम अधिकारियों को आना चाहिए था जिससे समस्या का तुरंत समाधान होता। देर रात तक मेरे पास लोगों के फोन आते रहते हैं कि लाइट काट दी गई है। 1912 नंबर या तो बहुत व्यस्त रहता है या फिर कोई उठाता नहीं है और विद्युत विभाग के अधिकारी भी फोन नहीं उठाते जिससे लोग बेहद परेशान हैं। गर्मी का मौसम है इसके बाद दो तीन दिन तक लाइट कट जाए तो कितनी बड़ी परेशानी खड़ी हो जाती है। विद्युत विभाग या तो 15 दिन में अपनी व्यवस्था सुधारे नहीं तो इनके खिलाफ धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर सुशील पाल, उत्तम चन्द्रा, विकास कुमार, सुभाष शर्मा, विष्णु शर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे ।

भाजपा नैनी मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज भारतीय जनता पार्टी नैनी मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियां 2026 का सफल आयोजन नैनी स्थित अभिनंदन पैलेस में सम्पन्न हुआ। इस मा प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मंत्री एवं शहर दक्षिणी विधायक नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ गया। जिसमें उन्होंने राज्य सरकार व केंद्र सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियां एवं भारत के बढ़ते कदमो की प्रशंसा किया।प्रशिक्षण महाभियान् मुख्त 7 भागों में हुआ, जिसमें की वक्ता के रूप में सर्वप्रथम लोकप्रिय मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी जी, महानगर मंत्री दीप द्विवेदी जी प्रयागराज की लोकप्रिय पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी जी, प्रदेश विधि प्रकोष्ठ के संयोजक श्री रणजीत सिंह जी, प्रशिक्षण अभियान सहसंयोजक नागेश जी, लोकप्रिय महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी द्वारा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया।सम्मानित वक्ताओं ने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं, परंतु 'सत्ता में गुणात्मक परिवर्तन के लिए आए हैं' क्योंकि सत्ता साधना मां भारती को परम वैभव तक ले जाने का संकल्प है, जिसके लिए हमारे पूर्वजों ने अपना सर्वस्व निछावर कर दिया। उन्ही के आदर्शों पर चलकर भाजपा के कार्यकर्ता 'सेवा ही संगठन' के भाव को लेकर कार्य कर रहे हैं।प्रशिक्षण महाभियान् में नैनी मंडल के अध्यक्ष रजत दुबे अपनी समस्त टीम के साथ, महामंत्री ओमप्रकाश मिश्रा, पूर्व महानगर अध्यक्ष भाजयुमो श्री नर सिंह जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिकिशन तिवारी, लक्ष्मीकांत तिवारी, राम लखन देवबंशी, नैनी के समस्त सम्मानित पार्षद गण, पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता गण ने प्रशिक्षण महाभियां को सफल बनाया।

श्रीराम कथा में श्रीराम जानकी विवाह धूमधाम से मनाया गया,लखन हृदय लालसा विशेषी। जाइ जनकपुर आयहु देखी।।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेंट्रल पार्क में आयोजित श्रीराम कथा के पांचवें दिन हनुमान जयंती के पावन पर्व पर कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज के सानिध्य में हनुमान जी का हजारी पूजन बड़े धूमधाम से मनाया गया। कथा पंडाल में सुबह 5 बजे से भक्तों का जमावड़ा लग गया था। जय श्री राम के नारों से पूरा पंडाल भक्ति मय हो गया था। हनुमान जयंती पर आचार्यों द्वारा विधिवत पूजन कराया गया तत्पश्चात आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। श्री राम कथा के पांचवें दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने श्रीराम सीता विवाह, लक्ष्मण परशुराम संवाद आदि प्रसंगो जनकपुरी पहुंचने पर मुनि समेत दोनों भाइयों का जनक जी

द्वारा भव्य स्वागत सत्कार किया जाता है। जनक जी अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। जनक जी का प्रण सुनकर देश देशांतर के बलशाली राजा आए लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी धनुष नहीं तोड़ पाए । गुरु विश्वामित्र की आज्ञा पाकर भगवान राम ने धनुष उठा लिया। भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी जी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। देवता ऊपर से पुष्प वर्षा करते हैं और चारों ओर खुशियां छा जाती हैं। श्री राम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 3 अप्रैल को राम राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास, केवट संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा। श्री राम जानकी विवाह के मुख्य यजमान नागेश सिंह एवं श्रीमती सुमन सिंह थी। इस अवसर पर देव मणि शुक्ल , सिया राम, रवि राघव, गोरे लाल, अनूप सिंह, रमेश कुमार वर्मा, संजय पांडेय, अंगद सिंह तोमर,हरि शंकर सिंह, ब्रिजेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र प्रताप सिंह,रमेश चंद शर्मा, विष्णु शर्मा,हंस मणि शुक्ल, संगम प्रसाद मिश्र, बी के भारद्वाज, आशीष लुहू, विजय जी ,विनोद मुदल,विकास शर्मा, रविंद्र सिंह , विजय कुमार झा , घनश्याम जोशी, सर्वेश कुमार तिवारी, दीपक तिवारी, राकेश कुमार, दिनेश पाठक, कमल यादव, संजीव कुमार मिश्रा, अनिल कुमार शर्मा, अनिल कुमार चौधरी, आयुष तिवारी, अवनीश तिवारी, विकास कुमार, गिरिराज जी, पंकज झा, मुरारी झा, राजेश कुमार पाठक, संजय मग्गू, देव नारायण तिवारी, पदम सिंह, प्रदीप सिंह परमार,शिव चौधरी,राम भरोसे झा, उपेंद्र सिंह, राजेश कुमार सिंह, बृजेश चंद्र पांडेय, प्रभात रंजन, राकेश कुमार यादव, प्रमोद दीक्षित, धर्मेंद्र सिंह, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, शिव कुमार पाठक, कृष्णा दूबे, मनीष मिश्रा, सी एल तिवारी, रंजन गिरि, मुक्तेश भारद्वाज, नागेश सिंह, सुभाष चन्द्र शर्मा, अंशु झा, हनुमान कुमार,एस पी मिश्रा, प्रदीप कुमार यादव,पान सिंह, शिव कुमार चौधरी सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

भारतीय डाक और इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा आयोजित 'जनरल इंश्योरेंस सुपर धुरंधर' अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उत्तर गुजरात परिक्षेत्र ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई सशक्त पहचान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अहमदाबाद। इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने देश के हर कोने, विशेषकर ग्रामीण भारत में बैंकिंग सेवाओं को आमजन तक पहुँचाने स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसी तमाम सेवाएं आईपीपीबी द्वारा डाकिया के माध्यम से घर बैठे मुहैया कराई जा रही हैं। आईपीपीबी में खाता होने पर डाकघर की सुकन्या, आरडी, पीपीएफ, डाक जीवन बीमा में भी ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि भारतीय डाक और इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा आयोजित 'जनरल इंश्योरेंस सुपर धुरंधर' अभियान में उत्तर गुजरात क्षेत्र ने रु1,50,85,834 के निर्धारित प्रीमियम लक्ष्य के सापेक्ष रु1,53,75,607 का प्रीमियम अर्जित करते हुए 101.92फीसदी की उपलब्धि हासिल की है, जिससे उत्तर गुजरात क्षेत्र ने सफलतापूर्वक इस अभियान में क्वालिफाई किया। वर्तमान में उत्तर गुजरात क्षेत्र में 8.43 लाख से ज्यादा आईपीपीबी खाते संचालित हैं, जिनमें इस वित्तीय वर्ष में कुल 1.43 लाख से ज्यादा खाते खोले गए। एक लाख से ज्यादा लोगों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 'जनरल इंश्योरेंस' कराया, जिसमें अकेले 'सुपर धुरंधर' अभियान में 23,500 लोगों ने इसका लाभ उठाया। सहायक निदेशक श्री रितुल गाँधी ने बताया कि उत्तर गुजरात क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 6 मंडल में से 5 मंडल-अहमदाबाद सिटी, बनासकांठा, महेसाणा, पाटन एवं साबरकांठा-ने शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर अभियान में सफलता प्राप्त की। इन मंडलों ने 100फीसदी से अधिक उपलब्धि दर्ज कर क्षेत्र की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के चीफ मैनेजर श्री अभिजीत जिभकाटे ने बताया कि देशभर के कुल 63 पोस्टल रीजन में से केवल 15 रीजन ही इस अभियान में सफल हो सके, जिनमें उत्तर गुजरात परिक्षेत्र भी शामिल है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने में पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव द्वारा प्रारंभ किया गया 'पोस्टल वॉरियर' अभियान अत्यंत प्रभावी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। इस अभियान के माध्यम से डाक कर्मियों में प्रतिस्पर्धा की भावना, टीमवर्क एवं लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया गया, जिसके परिणामस्वरूप जनरल इंश्योरेंस सेवाओं की पहुँच व्यापक स्तर पर बढ़ी और उत्कृष्ट प्रदर्शन संभव हो सका। इस अवसर पर प्रवर डाक अधीक्षक श्री चिराग मेहता, आईपीपीबी चीफ मैनेजर श्री अभिजीत जिभकाटे, सीनियर मैनेजर सुश्री प्रियंका कुमारी, सीनियर पोस्टमास्टर अहमदाबाद जीपीओ श्री संदीप कुशवाह, सहायक निदेशक श्री वी एम वहोरा, श्री अल्पेश शाह, श्री रितुल गाँधी, सीनियर पोस्टमास्टर श्री पी जे सोलंकी सहित तमाम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्तर गुजरात क्षेत्र में 8.43 लाख से ज्यादा इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खाते संचालित, 'आपका बैंक, आपके द्वार' की संकल्पना को कर रहा साकार - पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

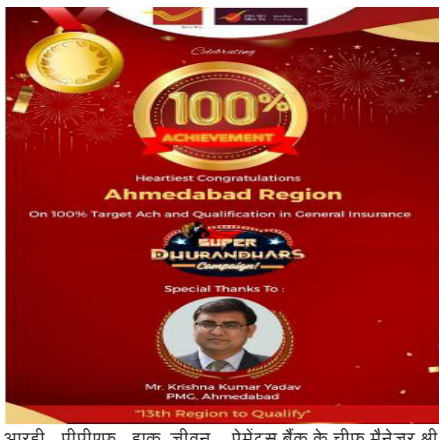

''तापस बेष विशेष उदासी,चौदह बरिस राम बनवासी'

कथा सुनने से ही जीव कल्याण संभव - महामंडलेश्वर,श्री राम कथा के छठे दिन वन गमन एवं केवट श्री राम संवाद का मार्मिक बर्णन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेंट्रल पार्क में आयोजित

श्रीराम कथा के छठवें दिन कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद महाराज ने आगे का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान राम, माता सीता और सभी भाइयों के विवाह के बाद अवध में आ जाते हैं । महाराज दशरथ गुरु से आज्ञा लेकर राम को युवराज बनाने की घोषणा करते है पूरी अयोध्या में खुशी छा जाती है। सभी देवता यह जानकर परेशान हो जाते हैं कि अगर राम का राज्याभिषेक हो जाएगा तो राक्षसों का वध कैसे होगा। सरस्वती जी से सभी प्रार्थना करते हैं और सरस्वती जी मंथरा की बुद्धि को पलट देती हैं वह कैकयी को अपने दो वरदान राजा दशरथ से मांगने के लिए कहती है। कैकयी कोपभवन में चली जाती है और दशरथ से दो वरदान मांगती है कि भरत को राज्य और राम को वनवास। दशरथ जी अचेत हो जाते है। रामजी लक्ष्मण और सीता के साथ वन को चले जाते हैं। केवट प्रसंग सुनाते हुए व्यास जी ने बताया कि गंगा किनारे पहुंचने पर केवट से नाव लाने को कहते हैं। ' मांगी नाव न केवट आना, कहहु तुम्हार मरमु मैं जाना' केवट कहता है कि मैं तुम्हारा मर्म जनता हूँ। जिनकी चरण रज लगते ही पत्थर की शिला नारी बन गयी अगर मेरी नाव भी नारी बन गयी तो मेरी रोजी रोटी का क्या होगा। बिना पैर धुलवाए आपको नाव में नहीं बैठाउँगा । ' अति आनंद उमगि अनुरागा, चरण सरोज पखारन लागा'। ऐसा कहकर भगवान राम , लक्ष्मण और सीता के पैर धोकर पूरे परिवार सहित उस चरणोदक को पीता है। इसके बाद गंगा के पार उतारता है। इस अवसर पर श्री राम कथा आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी देव मणि शुक्ल ने बताया कि 4 अप्रैल को राम और भारद्वाज मुनि का संवाद सहित कई प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर नागेश सिंह, कपिल मुनि पांडेय, अनूप सिंह, विजय कुमार,रवि राघव, उपेंद्र सिंह , गोरे लाल, संजीव ढाली,रमेश वर्मा, सिया राम ,संजय पांडे, हरि शंकर सिंह, रमेश दास, सी एल तिवारी, विष्णु शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, गौरव, रविंद्र कुमार ,हंस मणि शुक्ल, अंगद सिंह तोमर, शिव सिंह चौधरी,धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, संदीप, संगम प्रसाद मिश्रा, प्रकाश जोशी,सर्वेश कुमार तिवारी, रविन्द्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, पंकज झा, विजय कुमार झा, शिव चौधरी, पी के पांडेय, राकेश कुमार शर्मा, मुरारी झा, मनीष पांडेय, बृजेश चंद्र पांडेय, राजेश कुमार सिंह, बिजेंद्र सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, गिरि कुंदन सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड

टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करने के लिए यहां दबाएं।' विस्मयकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज़ फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए हैं और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेज़ान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी

अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, फीचर डाल दिया। अगर दिमाग में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैंने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैंने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक है जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है।

ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आशाओं का अम्बर और मोह के धागे

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे को बचाते इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है।

हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है।

हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता।

कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ष्ठऔर गलियां नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है।

पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना किसी कोने में झिझकें पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है। इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।

चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों

को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया। लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

इस लड़ाई से अमेरिकियों के कौन-से हित पूरे हो रहे हैं?

ईरान मानव इतिहास की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। हमने कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या वर्चस्व का मार्ग नहीं चुना। यहां तक कि वैश्विक शक्तियों के कब्जे, आक्रमण और निरंतर दबाव झेलने के बाद भी- और अपने कई पड़ोसियों पर सैन्य बढ़त होने के बावजूद- ईरान ने कभी युद्ध की शुरुआत नहीं की। यही कारण है कि ईरान को एक खतरे के रूप में प्रस्तुत करना न तो ऐतिहासिक वास्तविकता के अनुरूप है और न ही वर्तमान के तथ्यों के। ऐसी धारणा शक्तिशाली ताकतों की राजनीतिक और आर्थिक मनमानी का परिणाम है। उन्हें अपने दबावों को उचित ठहराने, सैन्य प्रभुत्व बनाए रखने, अपने हथियार उद्योग को कायम रखने और रणनीतिक बाजारों पर नियंत्रण के लिए एक दुश्मन गढ़ने की आवश्यकता होती है। अमेरिका ने ईरान के चारों ओर अपने सैनिकों, सैन्य ठिकानों और क्षमताओं का सबसे बड़ा जमावड़ा किया है। ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहा कोई भी देश अपनी रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करने से परहेज नहीं करेगा। ईरान ने जो किया है- और करता रहा है- वह आत्मरक्षा पर आधारित एक संतुलित प्रतिक्रिया है, न कि किसी भी रूप में युद्ध या आक्रामकता की शुरुआत। ईरान और अमेरिका

के संबंध प्रारंभ से शत्रुतापूर्ण नहीं थे। लेकिन निर्णायक मोड़ अमेरिका का वह हस्तक्षेप था, जिसका उद्देश्य ईरान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया और अमेरिकी नीतियों के प्रति ईरानियों में गहरा अविश्वास पैदा किया।यह अविश्वास आगे और गहराया- शाह के शासन के प्रति अमेरिका के समर्थन, 1980 के दशक के थोपे गए युद्ध में सद्दाम हुसैन के प्रति उसके समर्थन, आधुनिक इतिहास के सबसे लंबे और व्यापक प्रतिबंधों को थोपने और अंततः- जब बातचीत चल ही रही थी, तब उसके बीच- दो बार ईरान पर बिना किसी उकसावे के सैन्य आक्रामकता से।फिर भी, ईरान कमजोर नहीं पड़ा। इसके विपरीत, वह कई क्षेत्रों में और सशक्त हुआ है : साक्षरता दर लगभग 30फीसदी (इस्लामी क्रांति से पहले) से बढ़कर आज 90फीसदी से अधिक हो गई है; उच्च शिक्षा का व्यापक विस्तार हुआ है; आधुनिक टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है; स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है; और बुनियादी ढांचे का विकास पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी और पैमाने पर हुआ है। प्रतिबंधों, युद्धों और आक्रामकता के ईरानी जनता के जीवन पर पड़ने वाले विनाशकारी और अमानवीय प्रभावों को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। सैन्य आक्रामकता की निरंतरता और हालिया बमबारी लोगों के जीवन, दृष्टिकोण और सोच पर गहरा असर डालती है। जब युद्ध जीवन, घरों, शहरों और भविष्य को अपूरणीय क्षति पहुंचाता है, तो लोग इसके लिए जिम्मेदार लोगों के प्रति उदासीन नहीं रह सकते। इस युद्ध से अमेरिकी जनता के किन हितों की पूर्ति हो रही है? क्या ऐसे व्यवहार को उचित ठहराने के लिए ईरान से कोई वास्तविक खतरा मौजूद था? क्या निर्दोष बच्चों की हत्या, कैंसर-उपचार से संबंधित फार्मास्यूटिकल सुविधाओं का विनाश या किसी देश को पाषाण युग में वापस भेजने की शेखी बघारना- इन सबका कोई उद्देश्य है? ईरान ने वार्ताओं का मार्ग अपनाया, समझौते तक पहुंचा और सभी प्रतिबद्धताओं का पालन किया। उस समझौते से हटने, टकराव की ओर बढ़ने और वार्ताओं के बीच आक्रामक कार्रवाइयां करने का निर्णय अमेरिकी सरकार द्वारा लिया गया। ईरान के जरूरी बुनियादी ढांचों पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाना है। यह न केवल एक युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है, बल्कि इसके परिणाम ईरान की सीमाओं से कहीं

अंगोला से एलपीजी खरीदने की तैयारी में भारतीय कंपनियां,खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने की प्लानिंग

नयी दिल्ली। ईरान जंग की वजह से भारत में आई गैस की कमी से निपटने के लिए सरकारी तेल और गैस कंपनियां अब नए देशों से रसोई गैस (एलपीजी) खरीदने का ऑप्शन तलाश रही है। इसी वजह से इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और गेल जैसी कंपनियां अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनी सोनानगोल से एलपीजी खरीदने पर बातचीत कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये कंपनियां सोनानगोल के साथ लंबे समय का समझौता करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और सरकार स्तर पर भी चर्चा चल रही है। दरअसल, भारत की 92फीसदी एलपीजी खाड़ी देशों से आती है। भारत सरकार इस निर्भरता घटाना चाहती है। ऐसे में अगर अंगोला से करार हो जाता है तो जहाज अटलांटिक और अरब सागर से होते हुए सीधे भारत पहुंचेंगे। उन्हें होर्मुज स्ट्रेट से नहीं गुजरना होगा। भारत और अंगोला के बीच पहले से तेल और गैस का व्यापार होता रहा है, इसलिए दोनों देशों के बीच भरोसा और सप्लाई सिस्टम पहले से बना हुआ है। इसी वजह से नई डील करना आसान हो जाता है। अंगोला में गैस उत्पादन होता है और वहां एलपीजी के लिए जरूरी प्रोपेन और ब्यूटेन भी मिलते हैं, जिससे भारत को सीधे गैस मिल सकती है। सप्लाई के लिहाज से भी अंगोला सही विकल्प है, क्योंकि समुद्र के रास्ते गैस 12 से 18 दिन में भारत पहुंच सकती है और वहां एक्सपोर्ट की अच्छी सुविधा भी मौजूद है। अंगोला में एनर्जी सेक्टर सरकार के कंट्रोल में है, जिससे सरकारी स्तर पर समझौता करना आसान होता है।एक्सपर्ट्स का कहना है कि अफ्रीका से गैस सप्लाई अमेरिका की तुलना में 10 से 15 दिन जल्दी भारत पहुंच सकती है। ऐसे में अंगोला भारत के लिए एक अच्छा ऑप्शन बन सकता है। अगर यह करार होता है, तो अंगोला पहली बार भारत को रसोई गैस सप्लाई करेगा। भारतीय कंपनियां एलपीजी के लिए करीब एक साल और एलएनजी के लिए कम से कम 10 साल का करार करने पर विचार कर रही हैं। अंगोला के पास करीब 4.6 ट्रिलियन क्यूबिक फीट नेचुरल गैस का भंडार है और वह पहले से ही भारत को कच्चा तेल और एलएनजी सप्लाई करता रहा है। वित्त वर्ष 2025 में अंगोला भारत का पांचवां सबसे बड़ा एलएनजी सप्लायर था। ऑस्ट्रेलिया-अल्जीरिया और रूस से भी एलपीजी एलपीजी खरीदने की तैयारी-भारत सिर्फ अंगोला ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से भी गैस इम्पोर्ट के ऑप्शन तलाश रहा है, ताकि किसी एक रीजन पर निर्भरता कम की जा सके। इस गैस संकट का असर उर्वरक (फर्टिलाइजर) और स्टील सेक्टर जैसे उद्योगों पर भी पड़ सकता है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो गैस की कीमतें भी बढ़ सकती हैं और भारत को महंगे दामों पर गैस -खरीदनी पड़ सकती है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि देश में गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट की सप्लाई बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हाल ही में दो बड़े जहाज करीब 94 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत की ओर रवाना हुए हैं।

रसोई में जंग करने लगा तंग, आंच से दूध-किराना-इलाज महंगे होंगे

रोजमर्रा के सामान के दाम बढ़ाने की तैयारी,एलपीजी की कमी से हजारों प्लांट यूनिट बंद

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कंपनियों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। कच्चे तेल और अन्य कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से लागत बढ़ रही है और कंपनियां दाम बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। इससे बोतलबंद पानी, नमक, तेल जैसी रोजमर्रा की चीजें, एसी, फ्रिज जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल से लेकर नॉन-सर्जिकल मेडिकल आइटम के दाम बढ़ सकते हैं। वजह यह है कि इस जंग ने प्लास्टिक उद्योग की रीढ़ तोड़ दी है। बीते 30 दिनों में कच्चे माल के दाम 50-70फीसदी तक बढ़ चुके हैं। सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाले प्लास्टिक दाने एलडीपीई के दाम 110 रु/ किलो से 180 रुपए तक पहुंच गए हैं। अन्य पॉलीमर और रॉ मटेरियल भी 30 हजार से 70 हजार रुपए प्रति टन तक वृद्धि हुई है। ऐसे में अप्रैल में प्लास्टिक की कीमतें 50-60फीसदी तक बढ़ सकती हैं। प्लास्टिक टंकी व कंटेनर के दाम 30-40फीसदी तक बढ़ने की आशंका है। ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चारिंग एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील शाह कहते हैं कि प्लास्टिक इंडस्ट्री से 5 लाख लोग जुड़े हैं। संकट बढ़ा तो दो-तीन लाख लोग बेरोजगार हो सकते हैं। हमारी मांग है कि स्थिति सामान्य होने तक प्लास्टिक प्रोडक्ट्स पर 18फीसदी जीएसटी को कम करके 5फीसदी तक लाया जाए। बैंक बर्किंग कैपिटल लिमिट 20फीसदी तक बढ़ा दें। इससे कैश फ्लो समस्या हल होगी। असर 50 हजार प्लास्टिक फैक्ट्रियों पर पड़ा है। कॉमर्शियल एलपीजी की कमी झेल रहे अधिकांश यूनिट्स ने उत्पादन बंद कर दिया या घटा दिया। करीब 20 हजार कारखाने बंद होने का अनुमान है। हैदराबाद के एक ईपीई निर्माता ने बताया, 'हम गैस के बिना उत्पादन नहीं कर सकते। 80 रुपए/किलो तो छोड़िए 150 में भी नहीं मिल रही।' गुजरात के राजकोट में 40 से ज्यादा प्लांट बंद हो चुके हैं। मध्यप्रदेश, रायपुर और हैदराबाद में भी कई प्लांट बंद हैं। प्लास्टिक पैकेजिंग निर्माता लंबे समय तक मार्जिन का दबाव नहीं झेल पा रहे। कई यूनिट्स ने पुराने ऑर्डर रद्द कर दिए हैं। एक्सपर्ट क्या कहते हैं-'अभी वे शुरुआती रुझान किसी आपातकालीन खरीदारी का संकेत नहीं देतीं। लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के चौथे सप्ताह तक मांग में उल्लेखनीय अंतर दिख सकता है, क्योंकि रेस्त्रां परिचालन में दिक्कत आ रही है। शहर से कुछ प्रवासी गृहनगर लौट रहे हैं।'

फ्लोरिडा के इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर ट्रम्प के नाम पर रखने की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर राष्ट्रपति ट्रम्प के नाम पर रखने का फैसला लिया गया है। गवर्नर रॉन डेसैंटिस ने सोमवार को बिल साइन किया। मंजूरी मिलने पर यह बदलाव 1 जुलाई से लागू हो सकता है। फ्लोरिडा सरकार के फैसले के बाद अब इस नाम को लागू करने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन को औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा। इसके बाद फ्लाइट चार्ट, नेविगेशन सिस्टम और एयरपोर्ट साइनेज में बदलाव किया जाएगा। ट्रम्प के फैमिली बिजनेस ने फरवरी में ही इस नए नाम के लिए ट्रेडमार्क आवेदन किया था। इससे साफ है कि नाम बदलने की तैयारी पहले से चल रही थी। अमेरिकी सांसद ब्रायन मस्ट ने एयरपोर्ट का तीन अक्षरों वाला कोड पीबीआई से बदलकर डिजेटी करने का प्रस्ताव भी रखा है, जो ट्रम्प के नाम के शुरुआती अक्षर हैं।एयरपोर्ट के अलावा भी ट्रम्प के नाम पर कई सरकारी और सार्वजनिक संस्थानों के नाम रखे जा रहे हैं। इनमें शामिल हैं- नेवी के नए युद्धपोतों का प्रस्तावित नाम, विदेशी निवेशकों के लिए वीजा प्रोग्राम, सरकारी दवा वेबसाइट, बच्चों के लिए सेविंग अकाउंट स्कीम, जॉन एफ केनेडी सेंटर में नाम जोड़ना, यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ पीस बिल्डिंग इसके अलावा अमेरिकी करेंसी पर भी इस साल से ट्रम्प के सिग्नेचर आने की बात कही गई है। फ्लोरिडा में ही मियामी में ट्रम्प की प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी बनाने की योजना है। ट्रम्प ने इसका एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें एक विशाल कांच की इमारत, गोल्डन स्टैच्यू, प्राइवेट जेट और लग्जरी सुविधाएं दिखाई गईं। इस प्रोजेक्ट के लिए वेबसाइट भी लॉन्च की गई है, जहां कमिंग सून के साथ डोनेशन का विकल्प दिया गया है।

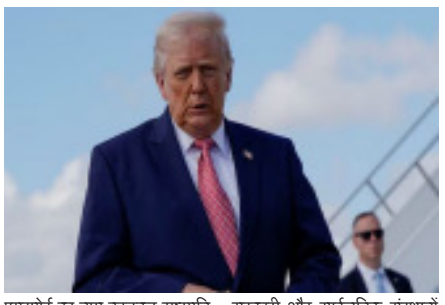

पहाड़ी और जम्मू-कश्मीर में एवलांच की आशंका,एमपी -राजस्थान और हरियाणा में बारिश, 9 राज्यों में अलर्ट

नयी दिल्ली। देश के कई राज्यों में अगले तीन दिन मौसम बदला रहेगा। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में बारिश का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में एवलांच की आशंका जताई गई है। हिमाचल के अटल टनल रोहतांग के नॉर्थ पोर्टल इलाके में एवलांच के खतरे को देखते हुए पर्यटकों की एंट्री पर रोका लगा दी है। वहीं जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में लोगों को पहाड़ी और बर्फीले क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। इधर, मध्य प्रदेश के 15 जिलों में गुरुवार को बारिश हुई। जिलों में आंधी-बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। जैसलमेर में शुक्रवार सुबह बारिश हुई। हरियाणा के हिसार, सिरसा और फतेहाबाद में गुरुवार को आंधी चली। दो दिन पहले हुई बारिश में मऊगंज में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई। वहीं राजस्थान के सभी जिलों में आंधी-बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। लखनऊ समेत प्रदेश के 18 जिलों में बारिश का अलर्ट है। लखनऊ में शुक्रवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। आज 30 से 40किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। गुरुवार को प्रदेश में मौसम साफ रहा। पिछले 24 घंटे में बांदा सबसे गर्म रहा। यहां 38.8से. तापमान रिकॉर्ड दर्ज किया गया। इससे पहले बीते 2 दिन में अलग-अलग हिस्सों में बेमौसम बरसात हुई। कन्नौज में सबसे ज्यादा 29 मिमी बारिश हुई। जैसलमेर के ग्रामीण इलाकों में शुक्रवार सुबह से तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज 8 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बाकी सभी जिलों में यलो अलर्ट है। गुरुवार को श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ के कई हिस्सों में बारिश के साथ ओले गिरे। वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने की वजह से 7-8 अप्रैल तक आंधी-बारिश और ओले गिरने का सिलसिला जारी रहेगा। प्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में गुरुवार को बारिश हुई। मऊगंज में बिजली गिरने से एक महिला की मौत भी हो गई। मौसम विभाग ने मुताबिक, आज 42 जिलों में आंधी-बारिश और ओले गिरने की आशंका है। अगले चार दिन यानी 6 अप्रैल तक प्रदेश में तेज आंधी भी चलेगी। कुछ जिलों में 50 से 60किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक बारिश से राहत के आसार नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज और कल 10 जिलों में तेज बारिश, तूफान और ओले गिरने की संभावना है। चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिला में ऑरेंज अलर्ट है। इधर लाहौल स्पीति, किन्नौर और कुल्लू जिले के पहाड़ी हिस्से में बर्फबारी होने के आसार हैं। अटल टनल रोहतांग के पास एवलांच की आशंका जताई गई है। चंडीगढ़ समेत राज्य के 12 जिलों में आज बारिश और ओले गिरने की अनुमान है। वहीं 10 जिलों में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चलेंगी। इस दौरान हवा की रफ्तार 50 से 60किमी/घंटा रहेगी। गुरुवार को पटियाला राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, यहां 36.8से. तापमान दर्ज किया गया है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से आज आंधी-बारिश और ओले गिरने की आशंका है। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। 40 से 50किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। गुरुवार की रात हिसार, फतेहाबाद और सिरसा में तेज आंधी चली। वहीं हिसार में रात के समय तेज बारिश हुई।

दावा-अमेरिका की ईरान में घुसकर यूरेनियम जब्त करने की तैयारी अप्रैल तक जंग खत्म करना मकसद

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ईरान के खिलाफ जमीनी कार्रवाई करने का आदेश दे सकते हैं। अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ईरान के पास मौजूद यूरेनियम को अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। ईरान के पास करीब 400 किलो समृद्ध (एनरिच्ड) यूरेनियम है, जिसका इस्तेमाल परमाणु बम बनाने में किया जा सकता है। ट्रम्प ने अपने सहयोगियों से कहा है कि ईरान को यह यूरेनियम छोड़ना ही होगा। अगर बातचीत से बात नहीं बनी, तो इसे जबरदस्ती भी लिया जा सकता है। इस बीच, अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 अतिरिक्त सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। इनमें से 3,500 से ज्यादा सैनिक पहले ही वहां पहुंच चुके हैं। यूरेनियम एक ऐसा पदार्थ है, जिससे परमाणु ऊर्जा भी बनाई जा सकती है और परमाणु बम भी। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि उसे कितना एनरिच यानि कि शुद्ध किया गया है।प्राकृतिक यूरेनियम में काम का हिस्सा बहुत कम होता है, इसलिए उसे मशीनों (सेंट्रीफ्यूज) के जरिए धीरे-धीरे शुद्ध किया जाता है। इसी प्रक्रिया को 'यूरेनियम एनरिचमेंट' कहते हैं। माना जा रहा है कि ईरान का बड़ा परमाणु भंडार उन पहाड़ी ठिकानों के मलबे के नीचे दबा है, जिन्हें अमेरिका ने बमबारी में निशाना बनाया था। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी के मुताबिक, यह यूरेनियम इस्फहान की अंडरग्राउंड टनल और नतांज जैसे ठिकानों पर हो सकता है। ट्रम्प ने पहले दावा किया था कि हमलों में ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह तबाह हो गया, लेकिन अब माना जा रहा है कि काफी यूरेनियम नष्ट नहीं हुआ, बल्कि मलबे के नीचे दब गया है। ईरान के विदेश मंत्री ने भी कहा था कि लगभग सारा 60फीसदी समृद्ध यूरेनियम मलबे के नीचे दबा हुआ है और अभी उसे निकालने की कोई योजना नहीं है।

ईरान होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाएगा,नेतन्याहू बोले- जंग कब खत्म होगी, नहीं बता सकता

तेहरान। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का फैसला किया। ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस प्लान के तहत जहाज ईरान को उसकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल में टोल देंगे। इसका अलावा प्लान में अमेरिका और इजराइल से जुड़े जहाजों की एंट्री पर रोक लगाने का प्रावधान भी शामिल हैं। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी कानून नहीं बना है और इसे लागू होने से पहले संसद, गार्जियन काउंसिल और राष्ट्रपति की मंजूरी लेनी होगी। होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल सप्लाई का अहम मार्ग है, ऐसे में इस फैसले से अंतरराष्ट्रीय बाजार और ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है। इसी बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उन्हें नहीं पता ईरान के साथ चल रही जंग कब खत्म होगी। इसका समय तय नहीं किया जा सकता। न्यूजमैक्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने दावा किया कि युद्ध के आधे से ज्यादा टारगेट हासिल किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अंत में ईरान का मौजूदा शासन कमजोर हो जाएगा। अमेरिका ने ईरान के इस्फहान शहर में एक बड़े हथियार डिपो पर एयरस्ट्राइक की है। वॉल स्ट्रीट जर्नल रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सोमवार रात को किया गया। इसके लिए 2000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल हुआ। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि इस डिपो में बड़ी मात्रा में हथियार और सैन्य सामग्री रखी गई थी, जिसे निशाना बनाया गया। बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल मजबूत और भूमिगत ठिकानों को तबाह करने के लिए किया जाता है। हमले के बाद डिपो में रखे हथियारों में विस्फोट होने से कई धमाके हुए और इलाके में आग के बड़े गुबार उठे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी सोशल मीडिया पर धमाकों का एक वीडियो शेयर किया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध का असर खाड़ी के वित्तीय बाजारों पर भी दिख रहा है। दुबई और अबू धाबी के शेयर बाजारों से अब तक करीब 120 अरब डॉलर की मार्केट वैल्यू कम हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई फाइनेंशियल मार्केट (डीएफएम) का जनरल इंडेक्स करीब 16फीसदी गिर चुका है, जिससे लगभग 45 अरब डॉलर की मार्केट कैप घट गई है। वहीं, अबू धाबी के एडीएक्स जनरल इंडेक्स में करीब 9फीसदी की गिरावट आई है, जिससे करीब 75 अरब डॉलर की वैल्यू कम हो गई है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि युद्ध के चलते वित्तीय बाजारों में शामिल हो गए हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने युद्ध के दौरान समर्थन देने पर इराकी लोगों का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि इराकी जनता इस संघर्ष में मजबूती से ईरान के साथ खड़ी रही। उन्होंने अपने बयान में कहा कि यह समर्थन केवल भौगोलिक कारणों से नहीं, बल्कि साझा इतिहास, पहचान और धार्मिक मूल्यों की वजह से है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इराक के हश्द अल-शाबी (पीएमएफ) से जुड़ा एक काफिला हाल ही में ईरान पहुंचा, जिसे मानवीय सहायता से जोड़ा गया है। ईरान से जुड़े हमलों के बाद आज खाड़ी देशों में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। सऊदी अरब ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को नाकाम किया। वहीं दुबई पोर्ट पर कुवैत के ऑयल टैंकर में आग लगने की घटना सामने आई है। सऊदी अरब ने दावा किया कि उसने 8 बैलिस्टिक मिसाइलों और 10 ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। इनमें से कुछ मिसाइलें रियाद की ओर दागी गई थीं। सऊदी सिविल डिफेंस के मुताबिक, अल-खर्ज प्रांत में एक ड्रोन के मलबे से 2 लोग घायल हुए और 6 घरों को नुकसान पहुंचा। वहीं यूएई ने कहा कि उसकी एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइल और ड्रोन खतरों का जवाब दे रही है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

चीन ने अमेरिका और इजराइल से ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध को तुरंत रोकने की अपील की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह सभी पक्षों से सैन्य कार्रवाई बंद करने और तनाव कम करने की मांग करता है। चीन ने परमाणु सुविधाओं पर हमलों का विरोध करते हुए कहा कि ऐसे कदम बेहद खतरनाक हैं। साथ ही, युद्ध में ऐतिहासिक स्थलों को हुए नुकसान पर भी चिंता जताई गई। बीजिंग ने कहा कि वह शांति बहाल करने के लिए अपने कूटनीतिक प्रयास जारी रखेगा। चीन ने यह भी बताया कि उसके तीन जहाज हाल ही में होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरे और इसके लिए संबंधित पक्षों का धन्यवाद किया।चेचन मिलिट्री यूनिट्स ने कहा है कि वे ईरान के समर्थन में तैनाती के लिए तैयार हैं। यह जानकारी ईरानी मीडिया प्रेस टीवी ने अपनी रिपोर्ट में दी है। चेचन लड़ाकों का यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका के संभावित जमीनी हमले की अटकलें बढ़ रही हैं।ईरान को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपना युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली हिंद महासागर में तैनात कर दिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, इस जहाज पर करीब 1800 मरीन सैनिक मौजूद हैं। यूएसएस त्रिपोली एक एम्फीबियस असॉल्ट शिप है, जो सैनिकों और सैन्य उपकरणों के साथ बड़े ऑपरेशन को अंजाम देने में सक्षम है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका मिडिल ईस्ट में अतिरिक्त सैनिक भी भेज रहा है, जिससे क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज हो रही हैं। इस तैनाती को ईरान के खिलाफ संभावित जमीनी ऑपरेशन की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

महाराष्ट्र के नासिक में कुएं में कार गिरी, 9 मौतें,सभी एक ही परिवार के, इनमें 6 बच्चे भी शामिल

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक परिवार के छह बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार एक बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे, तभी उनकी कार वेन्यू के पास एक कुएं में गिर गई। लोग मौके पर पहुंचे और आधी रात को दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार और उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान सुनील दत्तू दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, एक अन्य महिला आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों (पांच लड़कियां और एक लड़का) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्राइवर को कुआं कैसे नहीं दिखा। उन्होंने आगे कहा, हम चश्मदीदों की तलाश कर रहे हैं और घटना के सीसीटीवी फुटेज चेक कर रहे हैं।

शिवद्वार में 77वें रामलीला का भव्य समापनः भगवान राम की जय-जयकार से गूंजा मन्दिर प्रांगण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। घोरावल तहसील क्षेत्र के शिवद्वार मन्दिर प्रांगण में श्री शंकर रामलीला समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलीला के माध्यम से विश्व कल्याण, लोक शांति, सामाजिक स्व श्यामधर मिश्र की अध्यक्षता में चला। वर्तमान में सच्चितानंद मिश्र द्वारा नेतृत्व किया जा रहा हैं।

रामलीला समिति द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 77 वें रामलीला मंचन का चार दिवसीय आयोजन सोमवार को रात 9 बजे से देर रात तक धनुष यज्ञ के साथ समापन हुआ। रामलीला में हार्दिक राम, कान्हा लक्ष्मण, सुबास गिरी, मारीच राजेश्वर राम शुक्ल, विश्वामित्र जगदीश मिश्र, परशुराम नीतीश शुक्ल ने अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगठन, सनातन उत्थान, धर्म प्रचार प्रसार आदि मुख्य उद्देश्य हैं। रामलीला समिति के अध्यक्ष श्रीकांत दुबे ने बताया कि श्री शंकर रामलीला समिति सन 1950 में प्रथम मंचन प्रारंभ हुई जिसके संस्थापक स्व रामलखन तिवारी थे। सन 1962 में रामलीला विस्तृत रूप से अक्षयवर वर्मा राम मिश्र के अध्यक्षता में कि गई, जिसका लंबे काल तक नेतृत्व रामलीला मंचन में ब्रह्मानंद, शरद, सच्चितानंद, रवि, धीरेन्द्र, अमित, नंदकुमार, नंदू, जगदीश, शिवद्वार मन्दिर के पुजारी सुबास गिरी, मंदिर समिति के अध्यक्ष रविंद्र कुमार मिश्र समेत सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे। सभी ने रामलीला का आनंद लिया और भगवान राम की जय-जयकार की।

हत्या में दोषी दंपती को 10-10 वर्ष का कारावास,12-12 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी,साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए रामसेवक उर्फ काशी हत्याकांड का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए रामसेवक उर्फ काशी हत्याकांड के मामले में मंगलवार को सुनवाई

करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती को 10-10 वर्ष का कारावास व 12-12 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक विजय कुमार पुत्र बनवारी कोल निवासी अरुआंव, थाना शाहगंज, जिला सोनभद्र ने घोरावल थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसका लड़का रामसेवक उर्फ काशी उम्र 26 वर्ष 9 अगस्त 2022 को शाम करीब 4 बजे घर से बाइक से निकला था । उसके साथ खड़िया निवासी मुकेश भी था । लड़का शाम को घर नहीं आया। दूसरे दिन भी काफी खोजबीन किया, लेकिन उसका पता नहीं चला । 12 अगस्त को गांव के लोगों द्वारा मोबाइल में फोटो दिखाकर बताया कि 10 अगस्त को महुआव पांडेय गांव के कुएं में एक युवक की लाश मिली है। जिसे पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया है। जब पोस्टमार्टम हाउस जाकर देखा तो बेटे की लाश थी। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। उसके बाद पता किया तो जानकारी मिली कि रामलखन उर्फ रवि उर्फ बाठे पुत्र पुदीन चमार निवासी महुआंव पांडेय, थाना घोरावल, जिला सोनभद्र के घर उसका लड़का 9 अगस्त की शाम गया था। जहां पर शराब पीकर आपस मे कहासुनी हुई थी। इसी दौरान मारपीट कर हत्या करने के बाद शव को छुपाने के लिए कुएं में फेंक दिया गया था। इस तहरीर पर पुलिस ने रामलखन समेत दो लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर दंपती के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्तगणों के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने हत्या का मामला बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती रामलखन व कृष्णावती को 10-10 वर्ष का कारावास व 12-12 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी।

दुष्कर्म के दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद,55 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी,करीब 5 साल पूर्व शादी का झांसा देकर दलित युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करीब 5 साल पूर्व शादी

का झांसा देकर दलित युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। उसके ऊपर 55 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक करमा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित युवती (पीड़िता) ने करमा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि वह अनुसूचित जाति की युवती है। शादी का झांसा देकर धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल पुत्र राजकुमार राजा पटेल निवासी खैरपुर सिरसिया ठकुराई , थाना करमा, जिला सोनभद्र उसके साथ कई बार शारीरिक सम्बंध स्थापित किया। अब वह अपनी बिरादरी की लड़की से शादी करने जा रहा है। जब धनेश से पूछताछ की तो उसने भद्दी भद्दी गाली देते हुए धमकी दिया कि अगर कहीं शिकायत करोगी तो जान से मार दिया जाएगा। करमा पुलिस ने 17 मई 2021 को दुष्कर्म, एससी/एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर लिया गया । सीओ द्वारा मामले की विवेचना की गई और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान तथा पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी धनेश उर्फ स्टैंडर पटेल को 10 वर्ष की कठोर कैद की सजा सुनाई। इसके ऊपर 55 हजार रूपये अर्थदंड लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से आधी धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सी शशांक शेखर कात्यायन ने बहस की।

सोनभद्र-डाकघर की सरकारी जमीन पर भू-माफियाओं द्वारा किया जा रहा कब्जा - गिरीश पांडेय,जिला प्रशासन और जिला पंचायत की निष्क्रियता पर उठ रहा सवाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पूर्वांचल नव निर्माण मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र से और मुख्यमंत्री

पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि- मीरजापुर मंडल के अधीक्षक डाकघर, मीरजापुर ने (दिनांक 24 फरवरी 2026) सोनभद्र के जिला अधिकारी को एक गंभीर पत्र लिखकर रावर्ट्सगंज में स्थित प्रधान डाकघर की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत की है। पत्र में बताया गया है कि वर्ष 1956 की खतौनी के अनुसार खाता संख्या 392 में रावर्ट्सगंज प्रधान डाकघर को 11 बिश्वा जमीन आवंटित की गई थी। इसके बावजूद खाता संख्या 405, 406 जिसका नया नंबर 392 है को अलग-अलग दिखाया जा रहा है। पत्र में कहा गया है कि डाक विभाग ने कई बार शिकायत की, लेकिन जिला अधिकारी (भू-राजस्व) की ओर से अभी तक कोई स्पष्ट आदेश या कार्रवाई नहीं हुई है। नगरपालिका क्षेत्र में भी भू-माफियाओं का मनमाना खेल-इसी मामले में शिकायतकर्ता गिरीश पाण्डेय ने आरोप लगाया गया है कि नगरपालिका परिषद रावर्ट्सगंज में भू-माफिया इतने बेलगाम हो गए हैं कि जिला पंचायत सोनभद्र और डाक विभाग की बार-बार चेतावनी के बावजूद इनजूल भूमिङ पर अवैध अतिक्रमण जारी है। शिकायत में विशेष रूप से (नजूल भूमि संख्या 405 एवं 406) (नया नंबर 392) का जिक्र किया गया है, जो पूर्व में डाकघर के नाम दर्ज थी। आरोप है कि भाजपा से जुड़े कुछ लोगों ने बिना किसी सक्षम अधिकारी के आदेश के इस सरकारी जमीन के एक हिस्से को खरीद-बिक्री कर अवैध कब्जा कर लिया और निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। (जिला पंचायत का 2022 का नोटिस भी बेअसर) गिरीश पाण्डेय ने बताया कि अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत सोनभद्र ने 10 जनवरी 2022 को पत्रांक संख्या 1078/जिपंसो/2021-22 के माध्यम से विक्रेता और क्रेता को नोटिस जारी किया था। नोटिस में निर्माण कार्य तुरंत रोकने और न रोके जाने पर डीपीपी एक्ट (एंटी भू-माफिया एक्ट)ङ के तहत मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी गई थी। हालांकि, दो साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य भौतिक रूप से जारी है। गिरीश पाण्डेय ने जिला पंचायत विभाग पर डमौन स्वीकृतिङ देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इस चुप्पी से विभाग की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्य मांगें- जिम्मेदार राजस्व कर्मचारियों की कमेटी बनाकर पोस्ट ऑफिस रावर्ट्सगंज के नाम दर्ज जमीन की कागजी जांच ईमानदारी से कराई जाए। हो रहे अवैध निर्माण को तुरंत रोका जाए। फर्जी दस्तावेज तैयार कर नजूल भूमि पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। राजस्व भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। डाक विभाग के पत्र में भी स्पष्ट रूप से कहा गया है कि उक्त सरकारी जमीन से संबंधित अवैध कब्जे के मामले का निस्तारण करने के लिए जिला अधिकारी से रिपोर्ट मांगी गई है। यह मामला सोनभद्र जिले में सरकारी संपत्तियों पर बढ़ते अतिक्रमण और भू-माफिया गतिविधियों की ओर इशारा करता है, जहां प्रशासनिक विभागों के बीच समन्वय की कमी और कार्रवाई में देरी एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से अब इस मामले में त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

रासपहरी म्योरपुर में 10 दिवसीय जुट बैग्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन,ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट व उड़ान सेवा ट्रस्ट के सौजन्य से आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म्योरपुर,सोनभद्र। ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के इकाई प्रमुख मनीष गर्ग, मानव संसाधन प्रमुख राजीव दुबे, कर्मचारी संबंध प्रमुख रावेश कुमार के मार्गदर्शन में संचालित सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को उड़ान सेवा ट्रस्ट के द्वारा सोन प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ म्योरपुर ब्लॉक में 10 दिवसीय जुट बैग्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में जुट बैग्स का प्रशिक्षण महिलाओं को दिया गया, जिससे महिलाओं ने बड़े ही अच्छे ढंग से सीख कर आगे इस पर काम करेंगी। एलएसबी अधिकारी श्रीश त्रिपाठी, बीएमएम सुभाष ने 35 महिलाओं को प्रशस्ति पत्र दिया। कार्यक्रम में ग्रासिम

इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के अधिकारी चांदनी निर्मल, अर्चना तिवारी, ट्रेनर बेबी खान, उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष मीनू चौबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर मनीष गर्ग, इकाई प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत ही उपयोगी है। उन्होंने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट हमेशा से ही समाज के विकास के लिए कार्य करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। राजीव दुबे, मानव संसाधन प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना हमारा उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकेंगी। राकेश कुमार, कर्मचारी संबंध प्रमुख, ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के लिए बहुत ही लाभकारी है। उन्होंने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट हमेशा से ही महिलाओं के विकास के लिए कार्य करता रहा है। इस अवसर पर उड़ान सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष मीनू चौबे ने कहा कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के सहयोग से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से महिलाओं को बहुत ही लाभ हुआ है और वे आगे भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करेंगी।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

गैस स्टोव से घर की हवा प्रदूषितःजानें नुकसान, हवा साफ रखने के लिए करें ये 8 काम, बरतें 7 सावधानियां

कानपूर। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) उपभोक्ता देश है। भारत सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में 33 करोड़ घरेलू एलपीजी कंज्यूमर्स हैं। यानी कुल

आबादी का बड़ा हिस्सा खाना पकाने के लिए इस पर निर्भर है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एलपीजी गैस जलने पर घर की एयर क्वालिटी खराब हो सकती है। साल 2023 में 'यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा हेल्थ' में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक, गैस स्टोव पर खाना बनाना 'सेकेंड हैंड स्मोक' जितना प्रदूषण पैदा कर सकता है। वहीं इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी की मेटा-एनालिसिस के अनुसार, गैस स्टोव यूज करने वाले घरों के बच्चों में अस्थमा का जोखिम करीब 42फीसदी ज्यादा होता है। हालांकि कुछ सावधानियों के साथ इस जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसलिए, आज 'जरूरत की खबर' में बात गैस यूज के सेफ्टी टिप्स की। साथ ही जानेंगे कि-गैस स्टोव से कौन-कौन सी हानिकारक गैसें निकलती हैं? गैस स्टोव से होने वाले एयर पॉल्यूशन को कम कैसे करें? विषय पे प्रकाश डालेंगे और समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. संदीप कटियार, सीनियर कंसल्टेंट, पल्मोनोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, कानपुर जी के साथ। सवाल- गैस स्टोव इनडोर एयर को कैसे प्रदूषित करता है?जवाब- एलपीजी जलाने पर कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी गैसें निकलती हैं, जो इनडोर एयर क्वालिटी प्रभावित करती हैं। पीएम2.5 (प्रदूषण के बारीक कण) भी निकलते हैं। हाई फ्लेम या लंबे समय तक कुकिंग से इनकी मात्रा बढ़ती है। खराब वेंटिलेशन में ये गैसें घर में जमा होती हैं। गैस लीकेज भी प्रदूषण बढ़ाती है। सवाल- बिना दिखने वाले धुएं के बावजूद गैस स्टोव हवा को कैसे प्रदूषित करता है? जवाब- गैस स्टोव के कण बेहद बारीक होते हैं, इसलिए नजर नहीं आते। गैस जलने पर नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड निकलती हैं, जो हवा में मिलकर वेंटिलेशन कम

होने पर घर में जमा हो जाती हैं। सवाल- गैस स्टोव से कौन-सी हानिकारक गैसें निकलती हैं? जवाब- गैस स्टोव जलने पर कुछ अदृश्य हानिकारक गैसें निकलती हैं। नाइट्रोजन डाइऑक्साइडः यह प्रमुख इनडोर पॉल्यूटेंट है, जो सांस की नली में जलन और फेफड़ों की कार्यक्षमता को प्रभावित करती है। कार्बन मोनोऑक्साइडः रंगहीन-गंधहीन गैस, जो खून की ऑक्सीजन क्षमता घटाती है और सिरदर्द, चक्कर व गंभीर स्थिति में दम घुटने का कारण बनती है। कार्बन डाइऑक्साइडः यह आमतौर पर कम टॉक्सिक है, लेकिन खराब वेंटिलेशन में बढ़कर घुटन, सिरदर्द और थकान पैदा कर सकती है। फॉर्मैल्डिहाइडः कैंसर कारक गैस, जो गैस स्टोव जलने पर निकलती है और आंखों व रेस्पिरेटरी सिस्टम में जलन करती है। मीथेनः स्टोव बंद न होने या लीकेज पर निकलती है। यह जहरीली नहीं, लेकिन पर्यावरण के लिए हानिकारक है। बेंजीनः कैंसर कारक, जो कुछ स्थितियों में गैस जलने पर बनती है और लंबे समय में हानिकारक है। अल्ट्राफाइन पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5)ः सूक्ष्म कण फेफड़ों में जाकर सांस और हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाते हैं। सवाल- क्या एलपीजी और पीएनजी दोनों से हानिकारक गैसें निकलती हैं? जवाब- हां, एलपीजी और पीएनजी दोनों कुकिंग फ्यूल हैं। एलपीजी सिलेंडर में कंप्रेस्ड लिक्विड रूप में आती है। जबकि पीएनजी पाइपलाइन से रसोई तक पहुंचती है और अधिक सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन दोनों के जलने पर नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड निकलती हैं। सवाल- गैस स्टोव से होने वाले एयर पॉल्यूशन को कैसे कम करें? जवाब- पॉइंटर्स से समझिए- खाना पकाते समय हमेशा एग्जॉस्ट फैन या चिमनी चलाएं। रसोई की खिड़कियां और दरवाजे खुले रखें। हमेशा धीमी या मीडियम आंच पर खाना पकाएं। गैस स्टोव की रेगुलर सफाई करें। समय-समय पर गैस लीकेज चेक करें। अगर लीकेज हो तो तुरंत ठीक कराएं। खाना पकाते समय चूल्हे के बहुत करीब न खड़े हों। सवाल- क्या इलेक्ट्रिक/इंडक्शन चूल्हे से भी इनडोर एयर प्रदूषित होती है? जवाब- इलेक्ट्रिक/इंडक्शन चूल्हे गैस स्टोव से ज्यादा सुरक्षित हैं, लेकिन कुकिंग के दौरान सूक्ष्म कण बन सकते हैं, इसलिए इनमें भी पर्याप्त वेंटिलेशन जरूरी है। सवाल- खाना बनाने का सबसे सुरक्षित और हेल्दी तरीका क्या है? जवाब- खाना बनाते समय एग्जॉस्ट फैन चालू रखें और खिड़कियां खुली रखें, ताकि गैसें बाहर निकलें। धीमी/मीडियम आंच पर पकाएं, क्योंकि तेज आंच से उत्सर्जन बढ़ता है।

गर्मियों में बढ़ता किडनी स्टोन का रिस्क,किसे ज्यादा जोखिम, बचाव के लिए 12 जरूरी सावधानियां

जयपुर। एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी के मुताबिक, गर्मियों में किडनी स्टोन (पथरी) के मामले बढ़ जाते हैं। गर्मियों में टेम्परेचर बढ़ने से

डिहाइड्रेशन का रिस्क बढ़ता है। इससे किडनी में कैल्शियम और अन्य मिनरल के क्रिस्टल्स जमा होकर स्टोन में बदल जाते हैं। 'नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन' की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 12फीसदी से ज्यादा लोगों को किडनी स्टोन की समस्या है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज किडनी स्टोन की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-गर्मियों में किडनी स्टोन का रिस्क क्यों बढ़ता है? इससे बचने के लिए क्या करें? सवाल- क्या गर्मियों में किडनी स्टोन का रिस्क बढ़ता है? जवाब- हां, गर्मियों में किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ सकता है। पॉइंटर्स से समझिए- गर्मियों में पसीने के जरिए शरीर से ज्यादा पानी निकलता है। पर्याप्त नहीं पीने से डिहाइड्रेशन हो सकता है। शरीर में पानी की कमी होने से यूरिन में कैल्शियम, ऑक्सलेट जैसे मिनरल्स बढ़ जाते हैं। ये मिनरल्स मिलकर छोटे-छोटे क्रिस्टल बनाते हैं, जो किडनी स्टोन में बदल जाते हैं। सवाल- किडनी स्टोन कब बनता है और मौसम से क्या संबंध है? जवाब- यूरिन में कैल्शियम, ऑक्सलेट और यूरिक एसिड बढ़ने से क्रिस्टल बनते हैं, जो पानी की कमी में बाहर नहीं निकलते और स्टोन बन जाते हैं। मौसम का सीधा संबंध नहीं है, लेकिन गर्मियों में डिहाइड्रेशन बढ़ने से जोखिम बढ़ जाता है।सवाल- किडनी स्टोन होने पर क्या लक्षण दिखते हैं? जवाब- किडनी स्टोन में पेशाब से जुड़ी समस्याएं होती हैं। इसके कारण कमर या पेट में तेज दर्द हो सकता है। सवाल- क्या फूड हैबिट्स और लाइफस्टाइल किडनी स्टोन का रिस्क बढ़ा या कम कर सकते हैं? जवाब- हां, अनहेल्दी लाइफस्टाइल किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ाती है, जबकि हेल्दी आदतें इसे कम करती हैं। ज्यादा नमक, प्रोसेस्ड फूड और हाई प्रोटीन डाइट न लें। ज्यादा चाय, कॉफी या सॉफ्ट ड्रिंक्स न लें। फल, सब्जी और फाइबर से भरपूर डाइट लें। नियमित फिजिकल एक्टिविटी और संतुलित डाइट लें। दिनभर में कम-से-कम 8-10 गिलास पानी पिएं। सवाल- गर्मियों में किडनी स्टोन से बचने के लिए रोज कितना पानी जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा पसीने से पानी की जरूरत बढ़ती है। आमतौर पर 2.5-3 लीटर पानी रोज पीना चाहिए। अगर ज्यादा पसीना आ रहा है या आउटडोर काम कर रहे हैं तो पानी की मात्रा बढ़ाएं। यूरिन का हल्का पीला रंग पर्याप्त पानी का संकेत है, जबकि गहरे रंग का मतलब है कि अधिक पानी की जरूरत है। सवाल- क्या सिर्फ पानी पीना काफी है या इलेक्ट्रोलाइट्स भी जरूरी हैं? जवाब- पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स (सोडियम, पोटेशियम) का संतुलन जरूरी है। पसीने से ये मिनरल्स निकल जाते हैं। पानी हाइड्रेशन देता है, जबकि इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाए रखते हैं। नारियल पानी, छाछ और नींबू पानी इनके अच्छे सोर्स हैं, जो फ्लूइड बैलेंस बनाए रखते हैं। सवाल- गर्मियों में किडनी के लिए डाइट कैसी होनी चाहिए? जवाब- गर्मियों में किडनी को स्वस्थ रखने के लिए हल्की, संतुलित और हाइड्रेटिंग डाइट लेनी चाहिए। क्या खाएं- तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी, संतरा, मौसंबी, दही और साबुत अनाज। क्या न खाएं- ज्यादा नमक, जंक फूड, प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट, ज्यादा मीठा और तली-भुनी चीजें। सवाल- किडनी स्टोन का रिस्क कम करने के लिए क्या करें? जवाब- कुछ फूड्स और ड्रिंक्स किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ा सकते हैं, इसलिए इन्हें अवॉइड करें। इसके अलावा लाइफस्टाइल में भी कुछ बदलाव करना जरूरी है। सवाल- किडनी स्टोन की हिस्ट्री होने पर गर्मियों में क्या सावधानियां रखें? जवाब- जिन लोगों को पहले स्टोन हुआ है, उनमें दोबारा बनने का जोखिम ज्यादा रहता है। ऐसे रखें ख्याल- पूरे दिन पर्याप्त पानी और लिक्विड डाइट लेते रहें। बहुत ज्यादा नमक और हाई प्रोटीन डाइट लेने से बचें। डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाइयां लेते रहें। पेशाब को लंबे समय तक रोककर न रखें। कमजोरी, दर्द या पेशाब से जुड़ी समस्या दिखे तो तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें। सवाल- किडनी स्टोन होने पर क्या करें और डॉक्टर से कब मिलें? जवाब- किडनी स्टोन में समय पर इलाज जरूरी है। छोटे स्टोन पानी से निकल सकते हैं, जबकि दर्द में दवाइयां दी जाती हैं और जरूरत पर जांच होती है। इन लक्षणों में तुरंत डॉक्टर से मिलें- कमर या पेट में तेज दर्द। यूरिन में खून आना। बार-बार उल्टी या मतली। यूरिनेशन में तेज दर्द। यूरिन कम या बिल्कुल न होना।

छोटे बच्चों में बढ़ रहा फैटी लिवर,बच्चों की फूड हैबिट पर ध्यान दें, पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, चिप्स, चॉकलेट न खिलाएं

नयी दिल्ली। भारत सरकार की रिपोर्ट 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' के मुताबिक, भारत के 5-9 साल के बच्चों में से एक तिहाई

यानी करीब 33फीसदी बच्चों को हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या हो सकती है। ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। आमतौर पर ये समस्या वयस्कों को होती है और मोटे लोगों को अधिक होती है। अब बच्चे भी इसका शिकार हो रहे हैं। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो इन बच्चों को भविष्य में गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे फैटी लिवर, हार्ट डिजीज, डायबिटीज, हाई बीपी जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अगर बच्चा बहुत चिप्स, नमकीन खाता है। कोल्ड ड्रिंक पीता है या घंटों तक मोबाइल लेकर बैठा रहता है। तो यह और भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। हालांकि, थोड़ी कोशिश करके ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल नॉर्मल किया जा सकता है। ट्राइग्लिसराइड्स क्या है? बच्चों में इसका नॉर्मल लेवल क्या है? इसके लक्षण कैसे पहचानें, कैसे कंट्रोल करें? ट्राइग्लिसराइड्स शरीर में एक तरह का फैट है। ये खाने में मौजूद फैट, जैसे घी, तेल, मक्खन से आता है। साथ ही, अगर हम ज्यादा कैलोरी वाली चीजें खाते हैं - जैसे चॉकलेट, सोडा या ज्यादा चावल-रोटी तो शरीर इन्हें ट्राइग्लिसराइड्स में बदलकर स्टोर कर लेता है। ये बाद में एनर्जी के लिए इस्तेमाल होते हैं। अगर ये ज्यादा जमा हो जाएं, तो ब्लड वेसल्स में चिपक जाते हैं, जो दिल की धमनियों को ब्लॉक कर सकते हैं। इससे फैटी लिवर की समस्या हो जाती है। बच्चों के लिए ट्राइग्लिसराइड्स का नॉर्मल लेवल क्या है? 10 साल से कम उम्र के बच्चों में ये 75 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। 10-19 साल के किशोरों में 90 एमजी/डीएल से कम होना चाहिए। अगर 10 साल के बच्चे में 100 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो ये हाई लेवल माना जाता है। ट्राइग्लिसराइड्स लेवल ब्लड टेस्ट से पता चलता है, जो 8-12 घंटे फास्टिंग के बाद किया जाता है। बच्चों में क्यों बढ़ रहा है ट्राइग्लिसराइड्स? 'चिल्ड्रन इन इंडिया 2025' रिपोर्ट के अनुसार, 5-9 साल के 33फीसदी बच्चों में ट्राईग्लिसराइड्स लेवल हाई पाया गया है। इससे 16फीसदी से ज्यादा किशोर प्रभावित हैं। भारत में बच्चों में ये समस्या तेजी से बढ़ रही है आजकल बच्चे जंक फूड ज्यादा खा रहे हैं। वे ज्यादातर समय बर्गर, पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक्स पर निर्भर रहते हैं। स्क्रीन टाइम बढ़ गया है और बाहर खेलना या आउटडोर एक्टिविटीज बहुत कम हो गई है। इसके पीछे मोटापा भी बड़ा कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रीमैच्योर बर्थ वाले बच्चे या कम वजन वाले बच्चे भी रिस्क में हैं। प्रदूषण और फैमिली हिस्ट्री भी असर डालती है। ये सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है, गांवों में भी इसका आंकड़ा बढ़ रहा है। ज्यादातर मामलों में बच्चों में इसके स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं। ये 'साइलेंट किलर' की तरह काम करता है। लेकिन कभी-कभी त्वचा पर पीले-चिकने दाने निकल आते हैं। ये दाने अक्सर आंखों के पास या कोहनी पर होते हैं। अगर लेवल बहुत हाई है, जैसे, 500 एमजी/डीएल से ज्यादा है तो तो पेट दर्द या पैंक्रियाटाइटिस (अग्नाशय में सूजन) हो सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है। अगर बच्चा बहुत थकान महसूस करता है, सांस फूलती है या वजन तेजी से बढ़ रहा है तो सतर्क हो जाएं। सबसे अच्छा तरीका है कि रेगुलर ब्लड टेस्ट करवाएं। 9-11 साल की उम्र में पहला टेस्ट जरूरी है। अगर फैमिली में किसी को हाई कोलेस्ट्रॉल है, तो बच्चों में 2 साल की उम्र से ही चेक करवाना चाहिए। ट्राइग्लिसराइड्स जेनेटिक और लाइफस्टाइल दोनों कारणों से हाई हो सकता है। बच्चों में मुख्य कारण ओबिसिटी, अनकंट्रोल्ड डायबिटीज, थायरॉइड की समस्या, किडनी या लिवर डिजीज हैं। डाइट में ज्यादा चीनी, रिफाइंड कार्ब्स और सैचुरेटेड फैट्स बड़ा रोल निभाते हैं। एक्सरसाइज की कमी से भी ये जमा हो सकता है। समय से पहले जन्म या कम वेट वाले बच्चों को ज्यादा रिस्क होता है। फैमिली हिस्ट्री, स्टेरॉयड्स या इन्फेक्शन के कारण भी हो सकता है। बच्चों में हाई ट्राइग्लिसराइड्स उन्हें बचपन में उतना प्रभावित नहीं करता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ यह खतरनाक होता जाता है। इससे कोरोनरी आर्टरी डिजीज, स्ट्रोक, टाइप-2 डायबिटीज, हाई बीपी, ओबेसिटी और पेरिफेरल आर्टरी डिजीज का रिस्क बढ़ सकता है।

इंस्टेंट नूडल्स खाने में भारत चौथे नंबर पर,न्यूट्रिशनिस्ट की चेतावनी, ज्यादा खाने से बढ़ेगा बीपी और इंफ्लेमेशन

नयी दिल्ली। पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा इंस्टेंट नूडल्स खाने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर है। वर्ल्ड इंस्टेंट नूडल्स एसोसिएशन (डब्लूआईएनए) के मुताबिक वर्ष 2023 में हमारे यहां इंस्टेंट नूडल्स की खपत 8.7

अरब सर्विंग्स नूडल्स पर पहुंच गई। वर्ष 2018 से 2023 के बीच भारत में इंस्टेंट नूडल्स का मार्केट 13फीसदी की कंपाउंड रेट के साथ बढ़ा है। फिलहाल ऑथेंटिक आंकड़े तो 2023 तक के उपलब्ध हैं, लेकिन यह मार्केट तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि लोगों की खाने की आदतें बदल रही हैं। शहरों की आबादी बढ़ रही है और लोगों के खर्च करने की क्षमता में भी इजाफा हो रहा है। साल 2024 में इस मार्केट की कीमत अरबों अमेरिकी डॉलर हो गई है और 2030 तक इसके और भी ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन क्या रोज इन्हें खाना ठीक है? क्या हम सिर्फ इंस्टेंट नूडल्स पर जिंदा रह सकते हैं और स्वस्थ भी? कई लोग इसे घर का आरामदायक खाना मानते हैं। अगर ये रोज का खाना बन जाएं तो सेहत पर क्या असर पड़ता है? आज 'फिजिकल हेल्थ' में हम इसी पर बात करेंगे। जानेंगे कि- इंस्टेंट नूडल्स के कौन से तत्व नुकसान पहुंचाते हैं? रोज खाने से कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं? इसे बैलेंस्ड मील कैसे बनाएं? इंस्टेंट नूडल्स में क्या होता है? भारत में मिलने वाले ज्यादातर नूडल्स मैदा से बने होते हैं। कुछ पैकेट में इसके साथ सूखी सब्जियां या तला हुआ लहसुन भी होता है। ज्यादातर नूडल्स में बहुत सारा नमक होता है। एक सर्विंग में 600 से 1500एमजी सोडियम हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन अच्छे स्वस्थ के लिए रोज 2000एमजी से कम नमक खाने की सलाह देता है। इसलिए एक सर्विंग में ये मात्रा बहुत ज्यादा है। इसमें फाइबर बहुत कम यानी न के बराबर होता है। फाइबर पाचन के लिए जरूरी है।डॉ. अनु कहती हैं कि इंस्टेंट नूडल्स सुविधाजनक हैं, लेकिन पोषक तत्व नहीं होते हैं। ये स्लो पॉइजन की तरह काम करते हैं अगर रोज खाए जाएं।कभी-कभी खाना भी फायदेमंद तो नहीं पर स्वाद के लिए चल सकता है,

लेकिन रोज खाने से समस्या हो सकती है। हफ्ते में दो बार से ज्यादा खाने से महिलाओं में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का खतरा बढ़ जाता है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम से हार्ट डिजीज, डायबिटीज और दूसरी बीमारियां होती हैं। इसकी वजह, इन्हें बनाने में इस्तेमाल होने वाली चीजें हैं। नूडल्स में मौजूद ढेर सारे सोडियम से ब्लड प्रेशर बढ़ता है, जो हार्ट और किडनी पर दबाव डालता है। भारत में पहले से नमक ज्यादा खाया जाता है, और प्रोसेस्ड फूड इसका बड़ा कारण है। कम फाइबर से कब्ज, आंतों की समस्या और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा। पोषक तत्वों की कमी से शरीर कमजोर होता है, इम्यूनिटी घटती है। वेट गेन भी बड़ी मुश्किल है। ये हाई कैलोरी फूड में आते हैं लेकिन पेट ज्यादा देर नहीं भरते हैं। रिफाइंड कार्ब्स से ब्लड शुगर तेज बढ़ता है, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस और मोटापा। पाचन बिगड़ता है क्योंकि फाइबर कम, ऐडिटिव्स से ब्लोटिंग या इंडाइजेशन। कुछ स्टडीज में एमएसजी और प्रिजर्वेटिव्स से कैंसर का खतरा भी बताया गया है।हाल की आईसीएमआर स्टडी में कहा गया कि ऐसे प्रोसेस्ड फूड्स से डिप्रेशन, एंग्जाइटी जैसी मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स बढ़ सकती हैं।नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, कोरियन कॉलेज स्टूडेंट्स में हफ्ते में 3 बार से ज्यादा नूडल्स खाने से डिस्लिपिडेमिया का खतरा 2.6 गुना बढ़ जाता है। इस कंडीशन में ब्लड में ट्राईग्लिसराइड बढ़ जाते हैं। डॉ. अनु अग्रवाल कहती हैं कि एमएसजी से वजन बढ़ना, ब्लड प्रेशर और ब्रेन पर बुरा असर होता है। जनवरी 2025 की रिपोर्ट में सर्दियों में रेमन नूडल्स पर बात हुई, जहां कहा गया कि एमएसजी,टीबीएचक्यू और सोडियम से हार्ट और पेट की बीमारियां बढ़ती हैं। उत्तर प्रदेश में 2024 में एक 7 साल के बच्चे की मौत नूडल्स से जुड़ी बताई गई, जो सदमा देने वाली है। लेकिन इससे पता चलता है कि ज्यादा खाना कितना खतरनाक है। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि इंस्टेंट नूडल्स में रिफाइंड कार्ब्स से ब्लड शुगर स्पाइक होता है, जो डायबिटीज का खतरा बढ़ाता है। सैचुरेटेड फैट से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जो धमनियों को ब्लॉक करता है। कम न्यूट्रिएंट्स से कैल्शियम, आयरन, विटामिन सी की कमी हो सकती है। लंबे समय में ये इम्यूनिटी कमजोर करती है और बीमारियां आमंत्रित करती हैं। इंस्टेंट नूडल्स को हेल्दी कैसे बनाएं- अगर आप इन्हें पसंद करते हैं तो पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं। कुछ आसान बदलाव से इन्हें बेहतर बना सकते हैं। सब्जियां मिलाएं- फ्रोजन मटर, पालक, ब्रोकली या गाजर डालें। इससे फाइबर और विटामिन बढ़ेंगे। प्रोटीन ऐड करें- उबला अंडा, टोफू, बीन्स या चिकन। इससे पेट ज्यादा देर भरा रहेगा। फ्लेवर पैकेट कम इस्तेमाल करें। ये नमक का मुख्य स्रोत है। आधा पैकेट यूज करें या लो-सोडियम स्टॉक, लहसुन, अदरक, हर्ब्स या मिर्च मिलाएं। होलग्रेन नूडल्स ट्राई करें- कुछ ब्रांड्स में बकवीट, ब्राउन राइस या मिलेट से बने होते हैं, जो फाइबर ज्यादा देते हैं।

पंजाब ने टी-20 में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा,9वीं बार 200+ चेज किए, चेन्नई ने आईपीएल में 36वीं बार 200 रन बनाए,मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

चेन्नई। आईपीएल के 7वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हरा दिया। चेपॉक में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 5 विकेट पर 208 रन बनाए। टीम के लिए आयुष म्हात्रे ने 73 रन की पारी खेली, हालांकि उन्हें दो बार जीवनदान भी मिला। जवाब में पंजाब ने 18.4 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पंजाब ने टी-20 क्रिकेट में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए 9वीं बार 200प्लस रनचेज किया। वहीं चेन्नई ने इस मैच में 36वीं बार 200प्लस स्कोर बनाया। पंजाब किंग्स ने टी-20 क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम ने 200प्लस रनचेज के मामले में 9वीं जीत दर्ज की। इससे पहले भारत की टीम ने 8 बार 200प्लस रनचेज किया था। ऑस्ट्रेलिया ने 7 और मुंबई इंडियंस ने 6 बार यह कारनामा किया है।पंजाब किंग्स ने अपना दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया। टीम ने 210 रन का टारगेट 18.4 ओवर में हासिल किया। टीम का सबसे बड़ा रनचेज 262 रन का है। इसे पंजाब ने 2024 में ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हासिल किया था। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल में सबसे

ज्यादा 200प्लस स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम ने अब तक 36 बार 200 का आंकड़ा पार किया है। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 35 बार इस स्कोर तक पहुंची है। यहां से मैच के टॉप-8 मोमेंट्स- 1. चौका लगाने के बाद संजू आउट-दूसरे ओवर में चेन्नई का पहला विकेट गिरा। ओवर की छठी गेंद जेवियर बार्टलेट ने ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी। संजू सैमसन ड्राइव खेलने के लिए पीछे हटे, लेकिन गेंद की मूवमेंट को कवर नहीं कर सके और बल्ले का हल्का किनारा लग गया। गेंद सीधे विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह के पास गई, जिन्होंने आसान कैच लपक लिया। संजू 7 रन बनाकर आउट हुए। 2. आयुष की सिक्स से फिफ्टी-नौवें ओवर में चेन्नई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने सिक्स लगाकर अर्धशतक पूरा किया। ओवर की पहली गेंद मार्कस स्टोयनिस ने धीमी फेंकी। म्हात्रे ने आगे बढ़कर शॉट खेला और गेंद को लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से सिक्स के लिए भेज दिया। 3. म्हात्रे का वैशाख और शशांक से कैच छूटा-मिडिल ओवर्स में चेन्नई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को दो बड़े जीवनदान मिले। 10वें ओवर की दूसरी गेंद पर युजवेंद्र चहल ने लेग ब्रेक डाली, जिस पर म्हात्रे स्लॉग स्वीप खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में चली गई। वैशाख आगे दौड़ते हुए पहुंचे, डाइव भी लगाई, लेकिन गेंद हाथ में आने के बाद छिटक गई और कैच छूट गया। इसके बाद 12वें ओवर की चौथी गेंद पर चहल ने फिर मौका बनाया। उन्होंने गेंद को फ्लाइट देकर बल्लेबाज को बड़ा शॉट खेलने के लिए ललचाया। म्हात्रे आगे बढ़कर शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद टर्न होकर बल्ले का किनारा लेती हुई एक्स्ट्रा कवर की ओर गई। शशांक दौड़ते हुए आए, स्लाइड करते हुए दोनों हाथों से कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद हाथ से निकल गई। इस तरह म्हात्रे को लगातार दूसरा जीवनदान मिला। 4. पंजाब के रिव्यू से कार्तिक आउट-14वें ओवर में चेन्नई ने चौथा विकेट गंवाया। ओवर की चौथी बॉल मार्को यानसन ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी।

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

मीना कुमारी जन्म पर अनाथालय में छोड़ा

मुंबई। मीना कुमारी की जिंदगी जितनी चमकदार पर्दे पर दिखी, उतनी ही दर्द और संघर्ष से भरी असलियत में रही। जन्म लेते ही पिता द्वारा अनाथालय की सीढ़ियों पर छोड़ दिए जाने से शुरू हुई उनकी कहानी ने महज चार साल की उम्र में ही उन्हें परिवार का सहारा बनने पर मजबूर कर दिया। आगे चलकर फिल्मी दुनिया में नाम कमाने के बावजूद उनका निजी

जीवन तकलीफों से भरा रहा। 'बैजू बावरा', 'साहिब बीबी और गुलाम' और 'पाकीजा' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से उन्होंने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। लेकिन पर्दे की इस चमक के पीछे उनकी जिंदगी दर्द, अकेलेपन और टूटे रिश्तों से घिरी रही। कमाल अमरोही के साथ रिश्तों में आई कड़वाहट और उनके सहायक द्वारा थप्पड़ मारने जैसी घटनाओं ने उनके भीतर के दर्द को और गहरा किया। यही पीड़ा उनके अभिनय में झलकी और उन्हें ट्रेजेडी क्वीन बना गई। 31 मार्च 1972 को महज 38 साल की उम्र में उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी अदाकारी और शायरी आज भी जीवित है। उनकी जिंदगी इस बात की मिसाल है कि सच्ची कला अक्सर गहरे दर्द और अनुभवों से जन्म लेती है। मीना कुमारी का जन्म 1 अगस्त 1933 को मुंबई (तब बॉम्बे) में हुआ था। उनका बचपन का नाम महजबीं बानो था। उनका जन्म पिता अली बख्श के लिए निराशाजनक था क्योंकि वे पुत्र चाहते थे। मीना कुमारी परिवार में दूसरी बेटी थीं, उनकी दो बहनें थीं। बड़ी बहन खुर्शीद जूनियर और छोटी बहन महलीका (मधु), जो बाल कलाकार और अभिनेता महमूद की पत्नी थीं। जब

महजबीं का जन्म हुआ, तब उनके पिता को डॉक्टर की फीस देने के पैसे नहीं थे, और उन्हें अनाथालय की सीढ़ियों पर छोड़ दिया, लेकिन कुछ ही समय बाद अब उन्हें पछतावा हुआ तो बेटी को वापस लाए। टैगोर खानदान से रहा है रिश्ता-मीना कुमारी के पिता, मास्टर अली बख्श, भेरा

(अब पाकिस्तान) से आए एक सुन्नी मुस्लिम थे, जो रंगमंच के कलाकार, हारमोनियम वादक और उर्दू कवि थे। उनकी माता, इकबाल बेगम (मूल नाम प्रभावती देवी), उत्तर प्रदेश के मेरठ की थीं और बंगाली परिवार से संबंध रखती थीं। उन्होंने विवाह के बाद इस्लाम धर्म अपनाया।मीन कुमारी की नानी, हेम सुंदरी टैगोर, रवींद्रनाथ टैगोर के दूर के चचेरे रिश्तेदार की बेटी थीं। उन्होंने अपने पति के निधन के बाद मेरठ जाकर नर्सिंग की और प्यारे लाल शाकिर मेरठी से शादी की, जिससे मीना कुमारी की माता प्रभावती पैदा हुई। चार साल की उम्र में ही परिवार का सहारा बनीं-मीना कुमारी को फिल्मी करियर में कोई खास दिलचस्पी नहीं थी। वे बचपन से ही पढ़ना चाहती थीं, लेकिन घर की हालत इतनी खराब थी कि चार साल की उम्र में उन्हें परिवार का पेट पालने के लिए फिल्मों में काम करना पड़ा। उनके माता-पिता उन्हें शूटिंग के लिए फिल्म स्टूडियो ले जाने लगे। उन्हें नियमित स्कूल में दाखिला मिला, लेकिन काम की व्यस्तता के कारण पढ़ाई बाधित रही। उन्होंने अपनी शिक्षा मुख्य रूप से निजी ट्यूशन और स्व-अध्ययन से पूरी की।चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरुआत-डायरेक्टर विजय भट्ट ने मीना कुमारी को फिल्म 'लेदरफेस' (1939) में एक बाल कलाकार के रूप में कास्ट किया। यही उनका फिल्मी सफर बेबी महजबीं के नाम से शुरू हुआ। पहले दिन उन्हें 25 रुपए का भुगतान किया गया। बहुत कम उम्र में ही वे बख्श परिवार की मुख्य कमाई का स्रोत बन गई थीं। 1962 में फिल्मफेयर को दिए गए एक इंटरव्यू में मीना कुमारी ने बताया था कि चार साल की उम्र से ही अपने माता-पिता का सहारा बनने से उन्हें अपार संतुष्टि

मिली। बेबी महजबीं से बनीं बेबी मीना-चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पर मीना कुमारी ने अधूरी कहानी (1939), पूजा(1940), एक ही भूल(1940), नई रोशनी(1941), विजय (1942), लाल हवेली(1944) जैसी कई फिल्मों में काम किया। वे कई बार सेट पर इतनी भावुक हो जाती थीं कि रोती थीं, लेकिन जैसे ही कैमरा ऑन होता, उनका अभिनय अपने भीतर की पीड़ा की ताकत के साथ सामने आता था। यही सच्ची संवेदना और गहराई उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाती थी। फिल्म 'एक ही भूल की' शूटिंग के दौरान डायरेक्टर विजय भट्ट ने मीना कुमारी का नाम बेबी महजबीं से बेबी मीना कर दिया। बाद में यही नाम मीना कुमारी के नाम से फेमस हुआ। 2 मई 1946 में रिलीज फिल्म 'बच्चों का खेल' से 13 साल की उम्र में हीरोइन बन कर आईं और बेबी मीना से मीना कुमारी बन गईं। बैजू बावरा (1952) से मीना कुमारी ने अपनी पहचान बनाई। इसमें उनका किरदार गौरी लोगों के दिलों में उतर गया और फिल्म 100 हफ्तों तक चली। इसके लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार मिला। इसके बाद 'दायरा' और 'परिनीता' जैसी फिल्मों ने उनके अभिनय को और पहचान दिलाई। 'परिनीता' में उन्होंने भारतीय नारी की आम जिंदगी की कठिनाइयों को प्रभावशाली ढंग से दिखाया।फिल्म 'शारदा' से मिला ट्रैजेडी क्वीन का खिताब-1954-56 के बीच मीना कुमारी ने समाज और ऐतिहासिक कहानियों पर आधारित फिल्मों में काम किया, जिसमें 'चांदनी चौक', 'एक ही रास्ता', 'अद्ल-ए-जहांगीर', 'हलाकू', और 'आजाद' जैसी फिल्में प्रमुख रही हैं। दिलीप कुमार के साथ उनकी फिल्म 'आजाद' दर्शकों में बेहद लोकप्रिय हुई। 1957 में फिल्म शारदा ने मीना कुमारी को ट्रैजेडी क्वीन बना दिया। उनके साहस और अभिनय के लिए उन्होंने पहला बंगाल फिल्म जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन अवार्ड जीता। इसके बाद की फिल्मों जैसे 'सहारा', 'यहूदी', 'फरिश्ता', 'चिराग कहां रोशनी कहां', ने उन्हें लगातार सफलता दिलाई। 'साहिब बीबी और गुलाम' (1962) में उनके अभिनय ने उन्हें चार फिल्मफेयर पुरस्कार दिलाए और यह भारत की ऑस्कर प्रविष्टि भी बनी। इसके बाद उन्होंने 'प्रीत पराई', 'कोहिनूर', 'भाभी की चूड़ियां', 'फूल और पत्थर' जैसी यादगार फिल्मों में काम किया। 1972 में उनकी अंतिम रिलीज 'गोमती के किनारे' और 'पाकीजा' थी। 'पाकीजा' में उनके प्रदर्शन ने उन्हें मरणोपरांत भी फिल्म फेयर नामांकन दिलाया।मीना कुमारी सिर्फ अदाकारा ही नहीं, बल्कि एक बेहतरीन पार्श्व गायिका भी थीं। बचपन में उन्होंने 1945 तक 'बहन' जैसी फिल्मों में बाल कलाकार के रूप में अपनी आवाज दी। बाद में नायिका बनने के बाद उन्होंने 'दुनिया एक सराय' (1946), 'पिया घर आजा' (1948), 'बिछड़े बालम' (1948) और 'पिंजरे के पंछी' (1966) जैसे गीतों को भी अपनी आवाज दी।इतना ही नहीं, उन्होंने 'पाकीजा' के लिए भी गाया था, हालांकि वह गीत फिल्म में इस्तेमाल नहीं किया गया और बाद में 'पाकीजा -रंग बा रंग' (1977) एल्बम में जारी किया गया। कमाल अमरोही से पहली मुलाकात-मीना कुमारी का करियर जितना महान था, उतना ही जीवन संघर्ष ने प्रभावित किया। उनके जीवन का यह चैप्टर तब शुरू हुआ जब उनकी जिंदगी में कमाल अमरोही की एंट्री हुई। 1951 में फिल्म 'तमाशा' के सेट पर 18 वर्षीय मीना कुमारी की मुलाकात प्रसिद्ध निर्देशक कमाल अमरोही से हुई। 'महल' की सफलता के बाद, कमाल अपनी अगली फिल्म 'अनारकली' के लिए नायिका की तलाश में थे। मीना के अभिनय को देखकर उन्होंने उन्हें मुख्य भूमिका के लिए राजी कर लिया। सड़क दुर्घटना में घायल, कमाल अमरोही से बढ़ीं नजदीकियां-21 मई 1951 को महाबलेश्वर के पास मीना कुमारी एक सड़क दुर्घटना की शिकार हो गईं। इसके कारण उनका बायां हाथ हमेशा के लिए चोटिल हो गया और वे दो महीने तक ससून अस्पताल में भर्ती रहीं। दुर्घटना के अगले ही दिन कमाल अमरोही मीना का हालचाल जानने पहुंचे। मीना कुमारी 'अनारकली' में काम न कर पाने के दुख में थीं। कमाल ने उनके हाथ पर फिल्म के आगे 'मेरी' लिखकर स्थिति संभाली और दोनों के बीच निकटता बढ़ी। पिता को बिन बताए निकाह किया-14 फरवरी 1952 को 19 वर्षीय मीना कुमारी ने 34 वर्षीय कमाल अमरोही से अपने परिवार और मित्रों की मौजूदगी में निकाह किया। उनके पिता को इस शादी की जानकारी नहीं थी। दरअसल, 14 फरवरी 1952 को मीना कुमारी के पिता अली बख्श उन्हें और उनकी बहन मधु को फिजियोथेरेपी क्लीनिक छोड़ गए। पिता के जाते ही कमाल अमरोही अपने मित्रों के साथ क्लीनिक पहुंचे और मीना कुमारी से निकाह कर लिया। पिता ने तलाक लेने का दबाव डालना शुरू किया मीना निकाह के बाद अपने घर आ गईं। इसके बाद दोनों पति-पत्नी रात-रात भर बातें करने लगे, जिसे एक दिन एक नौकर ने सुन लिया। जिसे एक दिन एक नौकर ने सुन लिया। इसके बाद पिता ने मीना पर कमाल से तलाक लेने का दबाव डालना शुरू किया। मीना ने तय किया कि तब तक वे कमाल के साथ नहीं रहेंगी, जब तक पिता को दो लाख रुपए न दे दें। पिता ने फिल्मकार महबूब खान को उनकी फिल्म 'अमर' के लिए मीना की डेट्स दे दीं, लेकिन मीना 'अमर' की जगह पति कमाल अमरोही की फिल्म 'दायरा' में काम करना चाहती थीं। इस पर पिता ने चेतावनी दी कि अगर वे पति की फिल्म में काम करने जाएंगी, तो उनके लिए घर के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो जाएँगे। पांच दिन अमर की शूटिंग के बाद मीना ने फिल्म छोड़ दी और 'दायरा' की शूटिंग करने चली गईं। उस रात पिता ने उन्हें घर में नहीं आने दिया और मजबूरी में मीना पति के घर चली गईं। अगले दिन अखबारों में इस डेढ़ साल से छुपी शादी की खबर ने खूब सुर्खियां बटोरीं। शादी के बाद कमाल ने रखीं शर्तें-कमाल ने मीना को फ़िल्मी करियर जारी रखने की अनुमति दी, लेकिन शर्त रखी कि वे अपने मेकअप रूम में किसी पुरुष को नहीं बुलाएंगी। केवल उनके मेकअप आर्टिस्ट को बुलाएंगी और हर शाम 6:30 बजे तक अपनी कार से ही घर लौटेंगी। सेट पर उनका नियंत्रण और निगरानी भी होती थी। मीना कुमारी शुरुआत में सहमत थीं, लेकिन धीरे-धीरे इन शर्तों का पालन नहीं किया। मीना के कार्यक्रमों में कमाल अमरोही नहीं जाते थे-कमाल अमरोही अक्सर मीना के कार्यक्रमों और समारोहों में साथ नहीं जाते थे। 1963 में 'साहिब बीबी और गुलाम' को बर्लिन फिल्म समारोह में भारतीय प्रविष्टि के रूप में चुना गया। तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री सत्य नारायण सिन्हा ने दो टिकटों की व्यवस्था की। एक मीना के लिए और दूसरा उनके पति के लिए, लेकिन कमाल अमरोही ने यात्रा से इंकार कर दिया। प्रीमियर पर मीना अकेले गईं। मीना कुमारी ने अपनी शादी में शारीरिक शोषण का सामना किया। लेखक विनोद मेहता के अनुसार, छह अलग-अलग स्रोतों से यह पुष्टि हुई कि मीना वास्तविक रूप से पीड़ित थीं। नरगिस ने भी उनके दर्द का उल्लेख अपनी चिट्ठी में किया।कमाल के सहायक बाकर अली ने मीना को थप्पड़ मारा जब उन्होंने गुलजार को मेकअप रूम में प्रवेश दिया। दरअसल, मीना कुमारी 'नाज' नाम से शायरी लिखती थीं और गुलजार से अपने जज्बात साझा करती थीं। उसी सिलसिले में गुलजार मीना कुमारी से मिलने गए थे। बहरहाल, कमाल ने सीधे हस्तक्षेप नहीं किया, जिससे मीना का गुस्सा और बढ़ गया। वे नाराज होकर बहन मधु के घर चली गईं।कमाल ने उन्हें वापस लाने की कोशिश की, लेकिन मीना ने उनसे बात करने से मना कर दिया। इस घटना ने पहले से तनावपूर्ण संबंध को पूरी तरह तोड़ दिया।अलगाव के बाद मीना कुमारी अक्सर अकेलेपन, निराशा और पीड़ा का सामना करती थीं। बहुत से लोगों का मानना है कि यही अकेलापन बाद में उन्हें शराब की ओर ले गया, जो उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ा। समय के साथ उनका स्वास्थ्य काफी बिगड़ता गया, और कयास हैं कि अलगाव और व्यक्तिगत संघर्ष ने उन्हें अंदर-ही-अंदर तोड़ दिया। उन्होंने शराब का सहारा लेना शुरू किया, परंतु यह उनकी हालत को और खराब करने लगा। जब उनकी आखरी़ फिल्म पाकीजा अंततः 4 फरवरी 1972 में रिलीज हुई, जिसे उनके पति कमाल अमरोही ने डायरेक्ट की थी। इस फिल्म के पूरा होने में 14 साल लगे थे। उन्हें उसके परिणाम देखने के लिए जिंदगी नहीं मिली। वह 28 मार्च 1972 को बीमार पड़ीं, और 31 मार्च 1972 को लीवर सिरोसिस के कारण केवल 38 वर्ष की उम्र में दुनिया से विदा हो गयीं। उनकी अंतिम इच्छा के रूप में उनके ताबूत पर यह पंक्तियां खुद उन्होंने लिखवाईं:-'She ended life with a broken fiddle, with a broken song, with a broken heart, but not a single regret.' (मतलब, उसने टूटी हुई बांसुरी, टूटा हुआ गीत, टूटा हुआ दिल लेकर जीवन समाप्त किया, लेकिन एक भी पछतावा नहीं) यह पंक्तियां उनके जिन्दगी के संघर्ष, भावनात्मक गहराई और जीवनदर्शिता का सबसे संवेदनशील प्रतिबिंब हैं।

कॉमेडियन सुनील पाल की इवेंट में बेइज्जती,गुलदस्ता देने के लिए मंच पर बुलाया, फिर अपमान किया और हाथ से माइक छीना

मशहूर कॉमेडियन सुनील पाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें

उनके साथ बुरा व्यवहार किया गया। वीडियो एक इवेंट का है, जहां उन्हें गुलदस्ता देने के लिए मंच पर बुलाया गया और बाद में बेइज्जती कर उतरने को कहा गया। वायरल वीडियो मुंबई में हुए एक मुशायरे का है, जहां कुछ कवि मंच पर बैठे हैं। एक शख्स सुनील पाल को गुलदस्ता देने के लिए बुलाता है। वह झुककर आभार जताते हैं और माइक पर धन्यवाद कहना चाहते हैं,` ही वह माइक पकड़ते हैं, शख्स उनका हाथ हटाकर कहता है, एक सेकेंड, आप स्टेज से उतरिए। इसके आगे कुछ नहीं, जितना किया है उतना है, आप बैठ जाइए जाकर।इस पर सुनील कहते हैं, 'शुक्रिया तो कहने दें'। शख्स अपमानित लहजे में कहता है, 'आप बैठिए जाकर', और उनका माइक छीनकर जबरदस्ती उतार देता है। वीडियो में सुनील पाल बार-बार शुक्रिया कहने की विनती करते हैं, लेकिन शख्स उन्हें उतरने को कहता रहता है।इस पर कॉमेडियन बिना माइक मंच से शुक्रिया कहते हैं और शख्स से कहते हैं, 'आपका दिल कितना छोटा है।' इसके बाद वह मुस्कुराते हुए ऑडिटोरियम से बाहर चले जाते हैं।इस दौरान ऑडियंस भी शख्स से सुनील पाल को बोलने देने की अपील करती रही, लेकिन बात नहीं मानी गई। यह वीडियो 17 जनवरी 2026 का है, जब वह इस्कॉन जुहू के मुशायरे में शामिल थे।

बेटी अपनी उम्र से ज्यादा मैच्योर बातें करती है:उसकी ये समझदारी अच्छी है या चिंता की बात, क्या करना चाहिए?

नयी दिल्ली। समझेंगे मामले को एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी से सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- मैं लखनऊ से हूं। मेरी 13 साल की बेटी काफी समझदार है। लेकिन कई बार वह ऐसी बातें करती है, जो उसकी उम्र के मुकाबले काफी ज्यादा मैच्योर होती हैं। कभी वह रिश्तों, जिम्मेदारियों या जिंदगी को लेकर ऐसी बात बोल देती है कि लगता है कि इतनी छोटी लड़की के दिमाग में ये बात कैसे आई।कभी उसकी समझदारी पर खुशी होती है तो कभी चिंता। मैं समझ नहीं पा रही कि यह समझदारी का संकेत है या कुछ और। कुछ समय से मैंने एक बात नोटिस की है कि अब वह जरूरत से ज्यादा जिम्मेदार, गंभीर और चुप रहने लगी है। क्या यह नॉर्मल डेवलपमेंट का हिस्सा है या इसके पीछे कोई अन्य कारण हो सकता है। बतौर पेरेंट मुझे क्या करना चाहिए? जवाब- आपकी चिंता वाजिब है। अक्सर जब कोई बच्चा अपनी उम्र से ज्यादा मैच्योर बातें करता है तो पेरेंट्स इसे 'सयानापन' मानकर इग्नोर कर देते हैं। लेकिन आप एक समझदार पेरेंट हैं, जो इसके पीछे के मनोवैज्ञानिक कारणों को जानना चाहती हैं।सबसे पहले तो यह समझिए कि 13 साल की उम्र बहुत सेंसिटिव होती है। बच्चा 'किशोरावस्था' की दहलीज पर कदम रख रहा होता है। इस उम्र में बच्चे का ब्रेन बहुत तेजी से विकसित हो रहा होता है। खासकर वह हिस्सा, जो सोचने-समझने, सवाल करने और भविष्य के बारे में विचार करने से जुड़ा होता है। इसलिए इस उम्र में बच्चे हर विषय पर अपनी राय रखना चाहते हैं। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। हालांकि इसके पीछे के कारणों को आइडेंटिफाई करना जरूरी है। कई बार ऐसा होता है कि जब बच्चे घर में अक्सर समझदारी और जिम्मेदारी भरी बातें सुनते हैं तो वे सोचते हैं कि उन्हें भी 'समझदार' बनना पड़ेगा। इसके अलावा आज की पीढ़ी सोशल मीडिया एक्सपोजर के कारण बहुत जल्दी रिलेशनशिप, जिंदगी, असफलता और

तुलना से रूबरू हो जाती है। इससे उनकी बातें बड़ों जैसी लग सकती हैं, लेकिन वे अभी भी बच्चे ही होते हैं। कुछ बच्चे स्वभाव से ही बहुत गहराई से सोचते हैं। वे दूसरों की भावनाएं जल्दी समझ लेते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर मैच्योर लगते हैं, लेकिन उन्हें सपोर्ट की जरूरत होती है। बच्चे के बिहेवियरल मैच्योरिटी के पीछे ऐसे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं।हर बच्चा अलग होता है। वह अपनी गति से मानसिक और भावनात्मक रूप से बड़ा होता है। कुछ बच्चों का व्यवहार उम्र से थोड़ा ज्यादा समझदार लग सकता है, जो पूरी तरह नॉर्मल है। लेकिन जब यह मैच्योरिटी बच्चे से उसका बचपन छीनने लगे या वह अपनी भावनाओं को दबाने लगे, तब यह चिंताजनक है। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स नॉर्मल और चिंताजनक बिहेवियर के फर्क को समझें। इन संकेतों से आप समय रहते यह जान सकती हैं कि बच्ची की मैच्योरिटी स्वाभाविक है या किसी प्रेशर का नतीजा। इसके अनुसार कुछ जरूरी कदम उठा सकती हैं। ऐसी स्थिति में पेरेंट्स क्या करें? जब बच्चा अपनी उम्र से ज्यादा मैच्योर व्यवहार दिखाए तो घबराने के बजाय संतुलित रवैया अपनाएं। आपकी प्रतिक्रिया ही तय करती है कि बच्चा खुद को कैसे ढालेगा। इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। बच्चे की समझदारी को सराहें, लेकिन बार-बार ये न कहें कि 'तुम तो बहुत समझदार हो।' इससे बच्चे पर यह दबाव बन सकता है कि उसे हर हाल में मजबूत और समझदार ही बने रहना है। उसे यह महसूस कराएं कि बच्चा होना, गलती करना, परेशान होना और मदद मांगना बिल्कुल ठीक है।उससे कहें, 'तुम बच्ची हो, तुम्हें इतना ज्यादा सीरियस होने की जरूरत नहीं है।' बातचीत के दौरान बच्चे को जज बिल्कुल न करें। ऐसे सवाल पूछें- 'बेटा, तुम्हें ऐसा क्यों लगता है?' 'तुमने ये कहां सुना?' 'तुम ऐसा क्यों सोचती हो?' उसकी बातों को बिना टोके और बिना जजमेंट के सुनें। उसे मौज-मस्ती और खेलने का स्पेस दें बच्चा अगर कभी थोड़ी शैतानी करे, मस्ती करे तो बिल्कुल भी टोकें नहीं। उसकी सराहना करें। खुद भी उसके साथ हंसें-खेलें, हल्की-फुल्की बातें करें, मस्ती-मजाक करें। उसे यह एहसास दिलाएं कि बड़ा बनने की कोई जल्दी नहीं है। बचपन जीना भी बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि आप भी उसके साथ बच्चे बन जाएं। खुद भी कभी बचपना करें, छोटी-छोटी शैतानियों को साथ मिलकर इंजॉय करें। इस बात पर नजर रखें कि वह सोशल मीडिया पर क्या देख रही है, किस तरह का कंटेंट उसकी सोच को प्रभावित कर रहा है। जरूरत हो तो स्क्रीन टाइम और कंटेंट को लेकर बातचीत करें। अगर बच्ची लगातार चुप रहे, इमोशनली बहुत भारी बातें करने लगे या खुद को ज्यादा दबाकर रखे तो काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट से बात करने में बिल्कुल न हिचकें। कई बार माता-पिता अनजने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो बच्चे पर प्रेशर बढ़ा देती हैं। अच्छे इरादों के बावजूद कुछ प्रतिक्रियाएं बच्चे को गंभीर या इंट्रोवर्ट बना सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स अपनी भूमिका को लेकर सतर्क रहें और कुछ कॉमन गलतियों से बचें।अंत में मैं यही कहूंगी कि आपकी चिंता बताती है कि आप एक सजग और संवेदनशील मां हैं। समझदारी अच्छी बात है, लेकिन बचपन की कीमत पर नहीं। 13 साल की उम्र में मैच्योर बातें करना कई बार सामान्य होता है। लेकिन अगर इसके साथ चुप्पी बढ़ रही हो, जरूरत से ज्यादा जिम्मेदारी का भाव आ रहा है या बिटिया अपनी भावनाएं दबाने लगी है, तो इसे नजरअंदाज न करें। आपका काम उसे जल्दी बड़ा बनाना नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित महसूस कराना है। उसे यह भरोसा दिलाएं, 'कोई जिम्मेदारी तुम्हें अकेले नहीं उठानी है। हम तुम्हारे साथ हैं।'

धुरंधर एक्टर पर महिला भड़कीं बोलीं- शर्म आनी चाहिए, हिंदू होकर कौम को डरपोक कहा

मुंबई। फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 में पाकिस्तानी आतंकवादी जहूर मिस्त्री का

किरदार निभाने वाले विवेक सिन्हा को एक डायलॉग के चलते आलोचना का सामना करना पड़ा। एक महिला ने नाराजगी जताते हुए उनके हिंदू होने पर सवाल उठाए और कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए, जिसके जवाब में एक्टर ने मजेदार रिएक्शन दिया है। फिल्म में विवेक सिन्हा का एक डायलॉग है, हिंदू कौम बहुत डरपोक होती है। इस पर एक महिला ने इंस्टाग्राम पर मैसेज कर लिखा, आपको शर्म आनी चाहिए, एक हिंदू होकर चंद पैसों के लिए हिंदू के लिए ऐसा बोल रहे हैं।पीटीआई को दिए इंटरव्यू में विवेक सिन्हा ने ये मजेदार वाक्या शेयर करते हुए कहा, 'मुझे लगा कि रिप्लाई करूं, फिर सोचा छोड़ दूं, लेकिन बाद में जवाब दिया। मैंने उसे वॉइस नोट भेजा। सच में मैं कहना चाहता हूं कि फिल्में समाज का आइना हैं और हम अलग-अलग किरदार दिखाते हैं। अगर एक खतरनाक आतंकवादी बिना डर भारत में घुसता है, तो हमें उसका ऐसा ही किरदार दिखाना होगा। अगर उसकी सोच दिखानी है, तो 'हिंदू एक डरपोक कौम है' जैसी बात उसी नजरिए से दिखाई जाती है। ये फील है उसका। हिंदू मुस्लिम यही तो चल रहा है।''तो मैंने उसे यही वॉइस नोट छोड़ा कि अगर हमें ये दिखाना है तो क्या हम शूटिंग के लिए किसी पाकिस्तानी को बुलाकर लाएं। किसी आतंकवादी को कॉल कर शूटिंग के लिए बुलाया जाएगा क्या। हमें ही तो वो रोल करना पड़ेगा ना।' आगे वो कहते हैं, 'हम यही दिखाना चाहते हैं न कि विलेन कितना क्रूर हो सकता है। अगर फिल्म में किसी को मर्डर करते दिखाना है, तो हम क्या जेल से किसी ऐसे बंदे को लाएं, जिसने असल में 5 मर्डर किए होंगे। मैंने उस महिला को वही नोट डाला, लेकिन फिर उसका कोई जवाब नहीं आया, वो समझ गई थी।' बता दें कि फिल्म धुरंधर में विवेक सिन्हा ने जहूर मिस्त्री का किरदार निभाया है, जो इंडियन प्लेन हाईजैक कर, यात्रियों के बदले कुछ पाकिस्तानी आतंकवादियों को छोड़ने की डिमांड करते हैं। पॉपुलर डायलॉग, 'पड़ोस में रहते हैं हम, गूदे भर का जोर लगा लो और बिगाड़ लो जो बिगाड़ सकते हो', भी विवेक सिन्हा पर ही फिल्माया गया है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ. दीपक अरोरा
मो0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।